शिक्षा का उद्देश्य बेहतर जीवन का निर्माण : प्रो. डॉ. रेणु जैन

चैतन्य लोक » इंदौर

dainikchaitanyalok.com

पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन शाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में चल रहे पांच दिवसीय छात्र प्रेरणा कार्यक्रम चेंज का समापन शुक्रवार को हुआ।

कार्यक्रम के समापन में विशेष अतिथि के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. डॉक्टर रेणु जैन उपस्थित रही। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं माल्यार्पण के पश्चात कुलगीत से की गई। विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुंदे द्वारा पधारे अतिथियों का सूत की माला से स्वागत किया गया। प्रोफेसर डॉ. रेणु जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मूल्यों पर आधारित शिक्षा महत्वपूर्ण है और यही हमारा कर्तव्य है कि हम मूल्य आधारित शिक्षा आपको दें। हमारी शिक्षा का उद्‌देश्य बेहतर जीवन निर्माण होना चाहिए। साथ ही आपने संस्था के मासिक पत्रक 'प्रयोग' का विमोचन भी इस दौरान किया एवं संस्था में वर्ल्ड फोटोग्राफी डे की फोटोग्राफी प्रतियोगिता में अव्वल रहे कुलदीप पंवार, विशाल त्रिपाठी, स्वतंत्र शुक्ला, वाजिद उल्लहा काजी व अन्य विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग आयुक्त पी नरहरि भी उपस्थित रहे आपने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया और डाटा माइनिंग कंपनी के बारे में जागरूक किया। इंदौर रेलवे जनसंपर्क अधिकारी जितेंद्र सिंह भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे आपने विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी, आपने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए सदैव समाज को सच्चाई दिखाने व ईमानदारी से अपना काम करने की बात कहीं। कार्यक्रम में आइट्रेनियु डायरेक्टर निशा चौहान ने मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग कमिश्नर पी नरहरि व पत्रकारिता जनसंचार अध्ययनशाला विभागाध्यक्ष डॉ सोनाली नरगुंदे को एक्सीलेंस लीडरशिप आवाज से सम्मानित किया एवं विद्यार्थियों को भविष्य में बेबाक निर्भीक पत्रकार बनने की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर कामना लाड़ द्वारा किया गया। इस दौरान संस्था के डॉ. नीलमेघ चतुर्वेदी, मनीष काले, विनोद सिंह द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुंदे द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान विभाग के सौरभ मेश्राम, नेहा रौनियार, वैभव रत्नापारखी एवं अन्य प्राध्यापक मौजूद रहे।

With best Compliments from :
Ravindranath Balloor
SKE
Shree Krishna
ENGINEERING & HYDRAULIC Co.
Specialist in Mfg. of Drilling Rig, Drilling Rod, Hammers Button Bits, Conversion of Borewall Rigs, Heavy Duty Engineering & Hydraulic Equipments & Govt. Contractor

पीपुल्स समाचार | इंदौर, गुरुवार 26 सितंबर 2019

iam INDORE

movies • fa

गांधी-150वीं जयंती

गांधी दर्शन थीम पर क्विज़ : इशारों में पूछे गए सवालों ने बनाया रोमांच

डम्सराश की तर्ज पर रखा गया राउंड बना आकर्षण का केंद्र

IAmIndore • इंदौर

editor@peoplessamachar.co.in

पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय द्वारा महात्मा गांधी की 150वीं जयंती समारोह के अंतर्गत गांधी दर्शन थीम पर आयोजित क्विज का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें महात्मा गांधी के जीवन पर कई दिलचस्प और रोचक सवाल टीम में मौजूद विद्यार्थियों से पूछे गए। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था की विभागाध्यक्ष सोनाली नरगुंदे, बीएन बोस, नेहा रौनियार द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। विद्यार्थियों ने क्विज के माध्यम से गांधी के साहित्य में योगदान, उनकी लोकप्रियता, विश्व को दिया गया उनका अहिंसा का मूल मंत्र, विदेशी धरती तक उनकी पैठ एवं भारत की आजादी में उनके असाधारण योगदान को प्राथमिकता के साथ रखा।

प्रतियोगिता में 3 राउंड रखे गए, जिसमें चार 4 टीम ने भाग लिया। प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र डम्सराश की तर्ज पर रखा गया राउंड था, जिसमें प्रतियोगियों को इशारों में अपना उत्तर बताना था और उनकी टीम को सही उत्तर को समझना था। वह राउंड रोमांचक तो था ही, साथ ही कठिन भी था। जिसमें सभी प्रतिभागियों को शून्य के साथ ही संतोष करना पड़ा। आखिरी प्रश्न तक पूरे सभागार में रोमांच बरकरार रहा और आखिरकार द्वितीय वर्ष ने प्रतियोगिता में जीत प्राप्त कर सभी के दिल भी जीत लिए। द्वितीय वर्ष के प्रतिभागियों की विजेता टीम में वाजिद उल्लाह काजी, सलोनी राठौर, पूर्विका बदलानी, नंदिता राव जिन्होंने मात्र एक अंक के साथ जीत प्राप्त की। द्वितीय वर्ष की टीम को 76 अंक मिले, वहीं तृतीय वर्ष की टीम को 75 अंक मिले, जिन्होंने प्रतियोगिता में बड़ी कड़ी टक्कर दी। विजेताओं को कार्यक्रम के अतिथि पुष्पेंद्र दुबे द्वारा सम्मानित किया गया।

ज्ञानवर्द्धक व रोचक थे प्रश्न : प्रतियोगिता में पूछे गए प्रश्न वाकई इतने ज्ञानवर्धक और रोचक थे, जिसने सभागार में उपस्थित विद्यार्थियों को अंतिम क्षण तक बांधे रखा और कार्यक्रम को एक अच्छी दिशा के साथ सफल बनाया। कार्यक्रम के सूत्रधार मुख्य रूप से द्वितीय वर्ष के छात्र उत्तम पालीवाल, अमन सिंह और चिराग अग्रवाल रहे। संचालन अमृता परसाई और फरहत अंसारी ने किया। अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. नरगुंदे द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

गांधी हमारे विचारों में आज भी जिंदा हैं

चैतन्य लोक » इन्दौर
dainikchaitanyalok.com

पत्रकारिता व जनसंचार अध्ययनशाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के द्वारा गांधी जी की 150वीं जयंती समारोह पर खंडवा रोड़ स्थित कस्तूरबा कन्या विद्यालय की बालिकाओं के साथ जिंदा है गांधी थीम पर ओपन माइक का आयोजन किया गया। पत्रकारिता भवन द्वारा गांधी की 150वीं जयंती पर भिन्न-भिन्न प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के बीच कराई गई जिसका एक भाग यह कार्यक्रम भी रहा।

पहली बार बच्चों की कक्षा में गांधी
नन्हे विचार
माइक

ओपन माइक कार्यक्रम की शुरुआत कस्तूरबा मिडिल स्कूल के प्राचार्य यशस्वी जोशी व अन्य शिक्षिकाओं और छात्राओं द्वारा गांधीजी व उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी बा के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित की गई। कस्तूरबा कन्या विद्यालय के प्रार्थना कक्ष में यह पहला स्कूली बच्चों के बीच आयोजित ओपन माइक कार्यक्रम रहा, जिसमें कक्षा 6 से 12वीं तक की छात्राओं ने भाग लिया। ओपन माइक 'जिंदा है गांधी' में कक्षा आठवीं की छात्रा खुशबू गर्ग ने कहा कि महात्मा गांधी की शादी जब हुई थी तब वह बाल्यावस्था में थे। लगभग 14 वर्ष की उम्र में ही उनकी शादी कस्तूरबा बा से कर दी गई, गांधी ने हमेशा सच बोलने की बात कही है और उन्होंने बगैर हथियार उठाए देश को आजादी दिलाने के लिए लड़ाई लड़ी। कक्षा ग्यारहवीं से उमा रावत ने गांधी के स्वालंबन को अपनाने की बात कही उमा ने बताया कि आज भी कस्तूरबा छात्रावास में रहने वाली लड़कियां सुबह 5 बजे से उठकर अपने सारे काम स्वयं करती है और इस बीच वह पढ़ाई भी करती है इसी प्रकार सभी को गांधी के विचारों और उनके दिखाए रास्ते पर चल कर आगे बढ़ना चाहिए। बारहवीं कक्षा की पायल देसाई ने ओपन माइक जिंदा है गांधी के मंच से कई ऐसे प्रश्न आज के समाज से पूछे जो बेहद जरूरी है - क्यों गांधी के दिखाए स्वदेशी के रास्ते पर आज का युवा नहीं चलता? क्या कारण है कि आज भी बहुत सारे लोग बेटियों को बाहर पढ़ने नहीं भेजते ना ही उन्हें अपनी मर्जी का काम करने की आजादी है? आजकल के युवा क्यों विदेशी वस्तुओं और चीजों को अपनाते हैं, इसकी बजाय वह खादी के कपड़े क्यों नहीं पहनते क्या गांधी केवल एक दिखावा बनकर रह गए हैं? कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा मीनाक्षी ने गांधी के द्वारा आजादी की लड़ाई में निभाई गई अहम भूमिका पर बात करते हुए कहा कि गांधी ने कहीं ऐसे आंदोलन आजादी के लिए किए जिससे आजादी का रास्ता सरल हुआ गांधीजी व उनके विचारों का प्रभाव उस समय भी और आज भी उतना ही है, आज भी हम लोग गांधी के बताए आदर्शों का पालन इस विद्यालय में रहकर करते हैं।

ओपन माइक में संस्था की शिक्षिकाओं ने भी अंत में गांधी जी पर अपने विचार रखें संस्था की शिक्षिका जयश्री राठौड़ ने गांधी जी की बच्चे से गुड़ की लत छोड़ने को कहने वाली एक कहानी के माध्यम से बच्चों को बताया कि कोई भी बात को किसी से मनवाने से पहले आत्मसात या खुद पर उसका प्रयोग करना महत्वपूर्ण होता है। बच्चों के बीच आयोजित इस ओपन माइक कार्यक्रम में कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान सौ छात्राएं उपस्थित रही साथ ही कस्तूरबा विद्यालय से उमा सोलंकी, लीला पंवार, सारिका सिसोदिया, जयश्री राठौड़, नीतू सिंह, ज्योति सेन, वंदना सहित अन्य स्टाफ भी उपस्थित रहा। ओपन माइक में भाग लेने वाले सभी बच्चों को पत्रकारिता विभाग द्वारा पुरस्कृत भी किया गया ताकि वह भविष्य में इसी प्रकार गांधी के विचारों को आत्मसात करते हुए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर निष्ठा से बढ़ते रहें। पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन शाला की विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुंदे ने बताया कि विभाग द्वारा गांधी जी की 150वीं जयंती समारोह के उपलक्ष्य में कई अलग-अलग प्रतियोगिताओं व कार्यक्रमों का आयोजन विभाग द्वारा किया गया है, इसी कड़ी में 2 अक्टूबर को विभाग में गांधीजी की आत्मकथा का वाचन भी किया जाएगा। स्कूली बच्चों के बीच आयोजित इस पहले ओपन माइक जिंदा है गांधी के समापन में कस्तूरबा महाविद्यालय की छात्राओं ने भी सहभागिता की ओपन माइक का समापन कस्तूरबा बा वह गांधी जी की प्रार्थना, रघुपति राघव भजन व राष्ट्रगान गा कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन कुलदीप पवार द्वारा किया गया। पत्रकारिता विभाग के द्वारा आयोजित इस ओपन माइक में उत्सव पालीवाल, अमन सिंह, तिलकराज, शुभांगी, शारदा, तन्वी, ऋषि, विनायक, स्पंदन, अनुश्री सहित अन्य विद्यार्थी मौजूद रहे। स्वतंत्र शुक्ला द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

आज भी जिंदा है गांधी, हमारे विचारों में

इंदौर। पत्रकारिता व जनसंचार अध्ययनशाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के द्वारा गांधी जी की 150वीं जयंती समारोह पर खंडवा रोड स्थित कस्तूरबा कन्या विद्यालय की बालिकाओं के साथ जिंदा है गांधी थीम पर ओपन माइक का आयोजन किया गया। पत्रकारिता भवन द्वारा गांधी की 150वीं जयंती पर भिन्न-भिन्न प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के बीच कराई गई जिसका एक भाग यह कार्यक्रम भी रहा। ओपन माइक कार्यक्रम की शुरुआत कस्तूरबा मिडिल स्कूल के प्राचार्य यशस्वी जोशी व अन्य शिक्षिकाओं और छात्राओं द्वारा गांधीजी व उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी बा के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित की गई। ओपन माइक जिंदा है गांधी में कक्षा आठवीं की छात्रा खुशबू गर्ग ने कहा कि गांधी ने हमेशा सच बोलने की बात कही है और उन्होंने बगैर हथियार उठाए देश को आजादी दिलाने के लिए लड़ाई लड़ी। कक्षा ग्यारहवीं से उमा रावत ने गांधी के स्वालंबन को अपनाने की बात कही। बारहवीं कक्षा की पायल देसाई ने

ओपन माइक जिंदा है गांधी के मंच से कई ऐसे प्रश्न आज के समाज से पूछे जो बेहद जरूरी है -

कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा मीनाक्षी ने कहा कि गांधी ने कहीं ऐसे आंदोलन आजादी के लिए किए, जिससे आजादी का रास्ता सरल हुआ। शिक्षिका जयश्री राठौड़ ने गांधी जी की बच्चे से गुड़ की लत छोड़ने को कहने वाली एक कहानी के माध्यम से बच्चों को बताया कि कोई भी बात को किसी से मनवाने से पहले आत्मसात या खुद पर उसका प्रयोग करना महत्वपूर्ण होता है। इस कार्यक्रम के दौरान सौ छात्राएं उपस्थित रही साथ ही कस्तूरबा विद्यालय से उमा सोलंकी, लीला पंवार,सारिका सिसोदिया, जयश्री राठौड़, नीतू सिंह,ज्योति सेन,वंदना सहित अन्य स्टाफ भी उपस्थित रहा। ओपन माइक में भाग लेने वाले सभी बच्चों को पत्रकारिता विभाग द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन शाला की विभागाध्यक्ष डॉ सोनाली नरगुंदे ने बताया कि 2 अक्टूबर को विभाग में गांधीजी की आत्मकथा का वाचन भी किया जाएगा।कार्यक्रम का संचालन कुलदीप पवार द्वारा किया गया। पत्रकारिता विभाग के द्वारा आयोजित इस ओपन माइक में उत्सव पालीवाल,अमन सिंह,तिलकराज, शुभांगी, शारदा, तन्वी,ऋषि,विनायक,स्पंदन, अनुश्री, सहित अन्य विद्यार्थी मौजूद रहे।

'जिंदा है गांधी' कार्यक्रम

क्यों गांधी के दिखाए स्वदेशी के रास्ते पर युवा नहीं चलता?

आज गांधी जयंती पर विविध गतिविधि

इंदौर ● स्वदेश समाचार

पत्रकारिता व जनसंचार अध्ययनशाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय द्वारा गांधीजी की 150वीं जयंती समारोह पर खंडवा रोड स्थित कस्तूरबा कन्या विद्यालय की बालिकाओं के साथ 'जिंदा है गांधी 'थीम पर ओपन माइक कार्यक्रम किया गया। इसमें कहा गया कि आज भी जिंदा है गांधी हमारे विचारों में, पर क्यों गांधी के दिखाए, स्वदेशी के रास्ते पर युवा नहीं चलता?

पत्रकारिता भवन द्वारा गांधी की जयंती पर भिन्न-भिन्न प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के बीच कराई गई जिसका एक भाग यह कार्यक्रम भी रहा। कार्यक्रम की शुरुआत कस्तूरबा मिडिल स्कूल के प्राचार्य यशस्वी जोशी व अन्य शिक्षिकाओं -छात्राओं द्वारा गांधीजी व उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी बा के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित की गई। विद्यालय के प्रार्थना कक्ष में यह पहला स्कूली बच्चों के बीच आयोजित कार्यक्रम रहा, जिसमें कक्षा 6 से 12वीं तक की छात्राओं ने भाग लिया।

ओपन माइक 'जिंदा है गांधी' में कक्षा आठवीं की छात्रा खुशबू गर्ग ने कहा कि महात्मा गांधी की शादी जब हुई थी तब वह बाल्यावस्था में थे। गांधी ने हमेशा सच बोलने की बात कही है और उन्होंने बगैर हथियार उठाए देश को आजादी दिलाने के लिए लड़ाई लड़ी। कक्षा ग्यारहवीं से उषा रावत ने गांधी के स्वालंबन को अपनाने की बात कही।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

150वीं जयंती पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला के विद्यार्थियों ने व्यक्त किए विचार

गांधी ने विषम परिस्थितियों में भी देश को एकजुट रखा

पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी के150वीं जयंती समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें गांधीजी की आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग' के अध्याय का वाचन किया गया।

IAmIndore ● इंदौर

editor@peoplessamachar.co.in

SCHOOL OF JOURNALISM
&
...ICATION

कार्यक्रम की शुरुआत विभाग के डॉ. श्यामली चौधरी, सौरभ मेश्राम, नेहा गैनिवार द्वारा मां सरस्वती व महात्मा गांधी के चित्र के पूजन एवं माल्यार्पण से की गई। आयोजन में डॉ. श्यामली चौधरी द्वारा गांधीजी की आत्मकथा सत्य के प्रयोग के प्रथम अध्याय से गांधीजी के हाईस्कूल जीवन का वाचन विद्यार्थियों के बीच किया गया। जिसमें गांधीजी के स्कूली जीवन, उस समय की चंचलता और भाषा व अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान और गंभीरता रखने जैसे महत्वपूर्ण तथ्यों का समावेश रहा।

डॉ. नीलमेघ चतुर्वेदी द्वारा बच्चों को गांधी जीवन व उसके महत्व के बारे में ज्ञानवर्धक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि किस प्रकार गांधी ने अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलकर इस राष्ट्र में बदलाव की क्रांति शुरू की। उन्होंने गांधी के स्वदेशी व स्वरोजगार के विचारों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। सौरभ मेश्राम ने गांधी जीवन और उनके उपदेशों पर आधारित फिल्मों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आजादी की क्रांति में गांधी के द्वारा लिए गए कई निर्णय महत्वपूर्ण रहे जिसका कारण है कि इतिहास में वे महात्मा गांधी के नाम से अमर हो गए। संचालन कुलदीप पंवार द्वारा किया गया।

विद्यार्थियों ने गांधीजी के जीवन-दर्शन पर रखे विचार

बीए द्वितीय वर्ष के छात्र निखिल ने कहा कि गांधी को लेकर कई प्रकार की भ्रांतियां आज के युवाओं में हैं, लेकिन जरूरी है कि एक जिम्मेदार नागरिक व पत्रकारिता के छात्र होने के नाते हम तर्क और तथ्यों का अध्ययन करके अपनी राय या विचार समाज के सामने रखें। विनायक चतुर्वेदी ने गांधी के वैष्णव धर्म समुदाय वाले भजन को गाया। सौरभ ने कहा कि गांधी का अध्ययन किए बिना उनकी महानता को नहीं समझ सकते। आज की परिस्थितियों में हम परिवार को एकजुट नहीं रख सकते लेकिन गांधी ने परतंत्रता की विषम परिस्थितियों में भी देश को एकजुट बनाए रखा। हिमांशी तिवारी ने गांधी के संयमित जीवन को अपनाकर स्वयं में आए बदलाव को साझा किया।

इंदौर, गुरुवार 11 अगस्त 2016

सिटी ब्रीफ

देवी अहिल्या जन व्याख्यानमाला 12 से

इंदौर। यूनिवर्सिटी में देवी अहिल्या जनव्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 12 अगस्त शाम 4 बजे कम्प्यूटर साइंस सभागार में होगी। इसमें ‘लोकतंत्र के सशक्तिकरण में आम नागरिक की सहभागिता’ विषय पर वरिष्ठ चिंतक, विचारक वेदप्रताप वैदिक विचार व्यक्त करेंगे। अध्यक्षता पूर्व न्यायाधीश वीएस कोकजे करेंगे।

हर माह होगी व्याख्यानमाला

जन व्याख्यानमाला हर महीने आयोजित की जाएगी। इसमें स्टूडेंट्स के साथ-साथ आम लोग भी हिस्सा ले सकेंगे। व्याख्यानमाला के लिए बनाई गई समिति में डॉ. अपूर्व पुराणिक, डॉ. माया इंगले, डॉ. प्रतोष बंसल, डॉ. यामिनी करमरकर, डॉ. चंदन गुप्ता, डॉ. ममता चंद्रशेखर, डॉ. सिद्धार्थ रस्तोगी, मनीषा गौर, डॉ. अनिल भंडारी शामिल हैं। समन्वयक डॉ. सोनाली नरगुंदे और संरक्षक कुलपति डॉ. नरेंद्र कुमार धाकड़ हैं।

’ कार्यक्रम आज

वैष्णव विद्यापीठ में

निवेश

इंदौर। न्यूक्लीयर रिसर्च में भारत दुनिया
में शीर्ष पर है। अमेरिका के न्यूक्लीयर
साइंटिस्ट भी यहां तक कह चुके हैं कि
हमें इस विषय में भारत से बहुत कुछ
सीखंने की जरूरत है, लेकिन हमारे यह
रिसर्च के बाद इंप्लीमेंटेशन की
है। हम रिसर्च क्षेत्र में स्विटजरलैं
फिनलैंड, यूनाइटेड किंगडम जैसे
से भी अधिक निवेश करते हैं,
एक भी तकनीक ऐसी नहीं है जो हम
बेच सकें या उनके मुकाबले की हो
हमें ‘ग्लोबली कॉम्पीटिटिव’ बनना
हमें ‘ग्लोबल प्रोडक्ट’ बनाने होंगे।
लिए सरकार, इंडस्ट्री और शोध
बीच एक इकोसिस्टम विकसित
होगा।

ये बातें देश के वरिष्ठ परमाणु
और परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व
पद्म विभूषण डॉ. अनिल काक
कही।वैष्णव विद्यापीठ विश्व
में प्रथम आर्यभट्ट स्मृति व्याख

irm at Palasia. Dur-
rrogation, Johre re-
hat they had to meet
ends from Gwalior.
re staying at Lem-
hotel. He picked
om Industry house
of them went to

the media.

He asked her to do whatever she wanted and turned to go inside when he heard a thud sound from the ground floor. Bhadoria had jumped off the balcony.

Johre immediately told his friends that Bhadoria

room at the time of the incident. He was, however, allowed to leave after interrogations, said police.

"Shailendra Saraswat, Neeraj Dandotia and Ashutosh Johre were arrested under relevant Sections of IPC.

"As per the complainant, the accused first stopped the truck by overtaking it, and asked for cash on gun point. They warned the victims of dire consequences and fled the spot after snatching a bag containing Rs.16500 cash," said Bhawarkuan police. TNN

Offer EXCLU
IAS,
Adv
81 Years old brand valu
Institute Industry be
Development Program
Advertisement Faculty
THE
13/1
E

DMINISTRATIVE COMMANDANT

na, an officer of Kumaon regiment, assumed the
ninistrative commandant at Mhow station
ently. He took over from Col RK Bhatli, who retired
In a military cantonment like Mhow, the local
looked after by the station headquarters, which is
dier rank. The second officer after the commander
ks after the daily affairs of the station on the

va complex

er tasks done as
hops in the
d downed their
e shopkeepers
ting against
condition of
mplex and
w Cantonment
) to take note
mplex was
by MCB about
s ago but is
shambles.

A lesson in tolerance for students of Degree College

Government Degree College organised a workshop for students to motivate them to imbibe a character of forgiveness and tolerance. Speaking on the subject, Dr PK Sanse said that it was not enough to look beautiful from outside as one has to be a good person from inside too. The factors, which enhance internal beauty, are humbleness, cooperation, forgiveness and tolerance. Forgiveness and tolerance are most important as problems surfacing in today's world are due to lack of these virtues in the people. College principal Dr J Onkar and Dr Shobha Jain also shared their views on the subject. **Rajesh Jauhri**

Lectures on social issues at DAVV

Indore: Devi Ahilya Vishwavidyalaya (DAVV) will open its doors to the general public in a series of monthly lectures on popular academic topics and social issues, starting from Friday.

"As the state university, we feel that it is our responsibility to not only educate the students of the university, but also extend our resources to the general public in order to educate them and make them more aware," said Narendra Kumar Dhakad, vice-chancellor, DAVV.

Dr. Apoorva Pauranik, neurologist, came up with the concept of public lectures and suggested it to Dhakad. "Such lectures are popular at many renowned universities in abroad. However, there are only a few universities or educational institutes, which organise such programmes in India," said Dr. Pauranik.

Eminent political analyst Vedpratap Vaidik will conduct the first public lecture on the topic "the contribution of an ordinary citizen in the strengthening of democracy" in the seminar hall of the computer science department.

"Initially, we'll organise the lecture in a small hall. If we will get a good response, in terms of attendance in the first lecture, then we will shift the venue to the university's auditorium," said Dhakad.

The administration of DAVV will also upload the video of the lecture on a new website. TNN

Road Surcharge

A Road Surcharge of Re 2 will be applicable on the edition for all location except Indore. Mhow, Sagore, Dewas and Ujjain. This surcharge will be in addition to the regular cover price printed on the masthead.

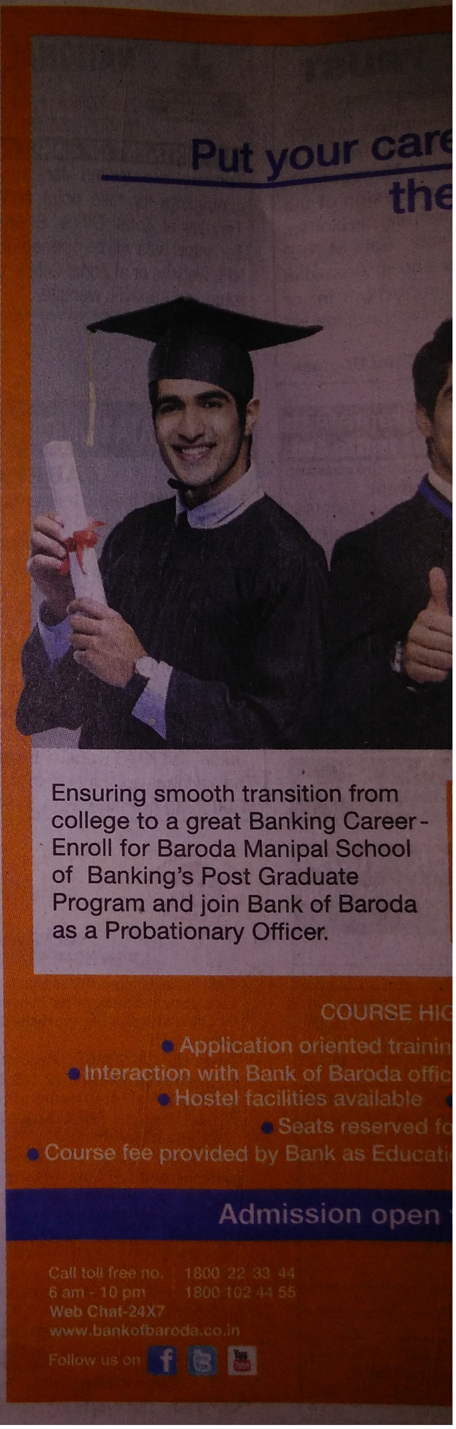
Put your care
the

Ensuring smooth transition from college to a great Banking Career - Enroll for Baroda Manipal School of Banking's Post Graduate Program and join Bank of Baroda as a Probationary Officer.

COURSE HIG
- Application oriented trainin
- Interaction with Bank of Baroda offic
- Hostel facilities available
- Seats reserved fo
- Course fee provided by Bank as Educati

Admission open

Call toll free no. 1800 22 33 44
6 am - 10 pm 1800 102 44 55
Web Chat-24X7
www.bankofbaroda.co.in
Follow us on

ौर

र 11 अगस्त 2016 02

हित

ट्रेन को

जाएगा

ो इंदौर

पीपुल्स समाचार

न्यूज ब्रीफ

डीएवीवी द्वारा व्याख्यानमाला का शुभारंभ कल

इंदौर। डीएवीवी के कम्प्यूटर साइंस विभाग के सेमिनार हॉल में शुक्रवार शाम 4 बजे से व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें शहरवासियों को नए-नए विषयों और परंपराओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस व्याख्यानमाला में देश-विदेश के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को भी बुलाया जाएगा। 12 अगस्त को पहला व्याख्यान लोकतंत्र के सशक्तिकरण में आम नागरिक की सहभागिता पर आयोजित किया गया है। इसे वरिष्ठ चिंतक, विचारक डॉ. वेदप्रताप वैदिक संबोधित करेंगे। अध्यक्षता पूर्व न्यायाधीश एवं राज्यपाल हिमाचल प्रदेश वीएस कोकजे द्वारा की जाएगी।

बलात्कार का फरार आरोपी गिरफ्तार

चम्पू अ

धोर

को

- 33 में से 28 ल
उनके प्लॉटों क
दिखाई
- गुरुवार को क
में लोगों को सौ
प्लॉट के दस्त

पीपुल्स संवाददा

प्रकरण के अनुसार भानगढ़ एमआर 10 के रहने वाले आरोपी भाई अर्जुन केवट व अरविंद केवट ने विष्णु केवट का अपहरण कर लिया था व पंद्रह लाख की फिरौती न मिलने पर दोनों आरोपियों ने उसकी हत्या कर लाश को खान नदी एमआर 10 के चेम्बर में

पत्नी ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट हीरा नगर थाने में दर्ज कराई थी। मार्च 2015 की इस घटना में मृतक की पत्नी से आरोपी दोनों भाइयों ने फोन कर पंद्रह लाख की फिरौती मांगी व कहा कि अगर रुपए नहीं दिए तो तुम्हारे पति की

मृतक की पत्नी ने जानकारी दी। जिस पर पुलिस ने तीन महीने बाद आरोपी अर्जुन केवट को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर चेम्बर से लाश बरामद की। चूंकि लाश खराब हो चुकी थी, इसलिए लाश का डीएंनए लेकर मृतक की पत्नी

सातवें अपर सत्र न्यायाधीश आरके गुप्त ने दोनों आरोपीगण भाइयों को धारा 302 व अपहरण के तहत दोहरे उम्रकैद की सजा से दंडित किया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक जयंत दुबे द्वारा की गई।

अनुसार युवक उज्ज्वल राणा पर जतिन बौरासी, अमन और आकाश सिसौदिया ने चाकू से हमला कर दिया। उज्ज्वल को घायल हालत में इलाज के लिए एमवाय अस्पताल दाखिल किया गया है। पुलिस तीनों बदमाशों की तलाश कर रही.है।

कम करने के लिए फरियादी तुलसीराम से 20000 रुपए की रिश्वत की मांग करने और बातचीत बाद 14000 रुपए की राशि स्वीकार करना तय हुआ था जिस बाबद बातचीत टेप की गई और लोकायुक्त पुलिस अधिकारियों के समक्ष शिकायत करने पर गवाहों

देअविवि द्वारा जन व्याख्यानमाला की शुरुआत

‘लोकतंत्र के सशक्तिकरण में आम नागरिक की सहभागिता’ पर कल बात रखेंगे डॉ. वैदिक

हर महीने एक व्याख्यान होगा, वरिष्ठ चिंतक-लेखक करेंगे समाज को जागरूक

(नगर प्रतिनिधि)

इंदौर। देअविवि 12 अगस्त से जन व्याख्यानमाला की शुरुआत कर रहा है। शुरुआत का पहला व्याख्यान ‘लोकतंत्र के सशक्तिकरण में आम नागरिक की सहभागिता’ विषय पर है जिसकी शुरुआत वरिष्ठ चिंतक-पत्रकार डॉ. वेदप्रताप वैदिक करेंगे। व्याख्यानमाला की अध्यक्षता पूर्व न्यायाधीश एवं राज्यपाल वी.एस. कोकजे करेंगे।

यह जानकारी देअविवि के कुलपति प्रो. नरेंद्र धाकड़ ने बुधवार को पत्रकारवार्ता में दी। नालंदा परिसर में आपने उक्त विषय पर बताया कि विवि द्वारा सभी नागरिकों-सुधी श्रोताओं के लिए यह व्याख्यानमाला शुरू की जा रही है। पहले व्याख्यान का समय शाम 4 बजे रखा गया है। तक्षशिला परिसर के कम्प्यूटर साइंस विभाग के सेमिनार हॉल में यह होगा।

समिति में चर्चित चेहरे

व्याख्यानमाला के लिए जो समिति बनाई गई है उसमें आईआईएम, अभ्यास मंडल, आईआईटी और आईएमए से कुछ विद्वानों को लिया गया है। इस समिति में डॉ. अपूर्व पुराणिक के अलावा डॉ. माया इंगले, डॉ. यामिनी करमरकर, डॉ. चंदन गुप्ता तो ठीक है, लेकिन डॉ. ममता चंद्रशेखर, डॉ. प्रतोष बंसल का नाम चौंकाने वाला है। व्याख्यानमाला की समन्वयक की जिम्मेदारी डॉ. सोनाली नरगुंदे को दी गई।

पहले सप्ताह में ही

उक्त कार्यक्रम में शामिल सदस्य के रूप में डॉ. अपूर्व पुराणिक ने बताया कि भारत में इस तरह की व्याख्यानमाला बहुत कम विवि चलाते हैं इसलिए देअविवि द्वारा एक शुरुआत की गई है। हमारा प्रयास रहेगा कि इसे हर महीने के पहले सप्ताह में ही करें। समिति के सदस्य डॉ. अनिल भंडारी ने बताया कि उक्त कार्यक्रम को यूट्यूब पर भी अपलोड किया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसे देख सकें। इसके विषय अलग-अलग रखे जाएंगे। डॉ. चंदन गुप्ता ने बताया कि अगला व्याख्यान आईआईएम के निदेशक का ही कराने का प्रयास होगा।

मूल को छोड़कर दूसरे काम की चिंता

देअविवि का मूल काम समय पर परीक्षाएं कराना और परिणाम देना है, ताकि विद्यार्थी परेशान नहीं हो, लेकिन विवि ने व्याख्यानमाला की शुरुआत करके मूल काम पर से ध्यान भटकाया है। जब कुलपति से पूछा गया कि सामाजिक जिम्मेदारी से पहले विवि का मूल काम प्रभावित हो रहा है तो जवाब दिया कि परीक्षाएं भी समय पर हो रही है और परिणाम भी दे रहे हैं, जबकि व्यवहार में हो उल्टा रहा है। विवि में दो दिन पूर्व ही छात्र संगठन ने प्रदर्शन करके परीक्षा और परिणाम के मामले में कुलपति को जोरदार तरीके से घेरा था, इसके बावजूद कुलपति यह मानने को तैयार नहीं है कि विद्यार्थियों को परेशानी है।

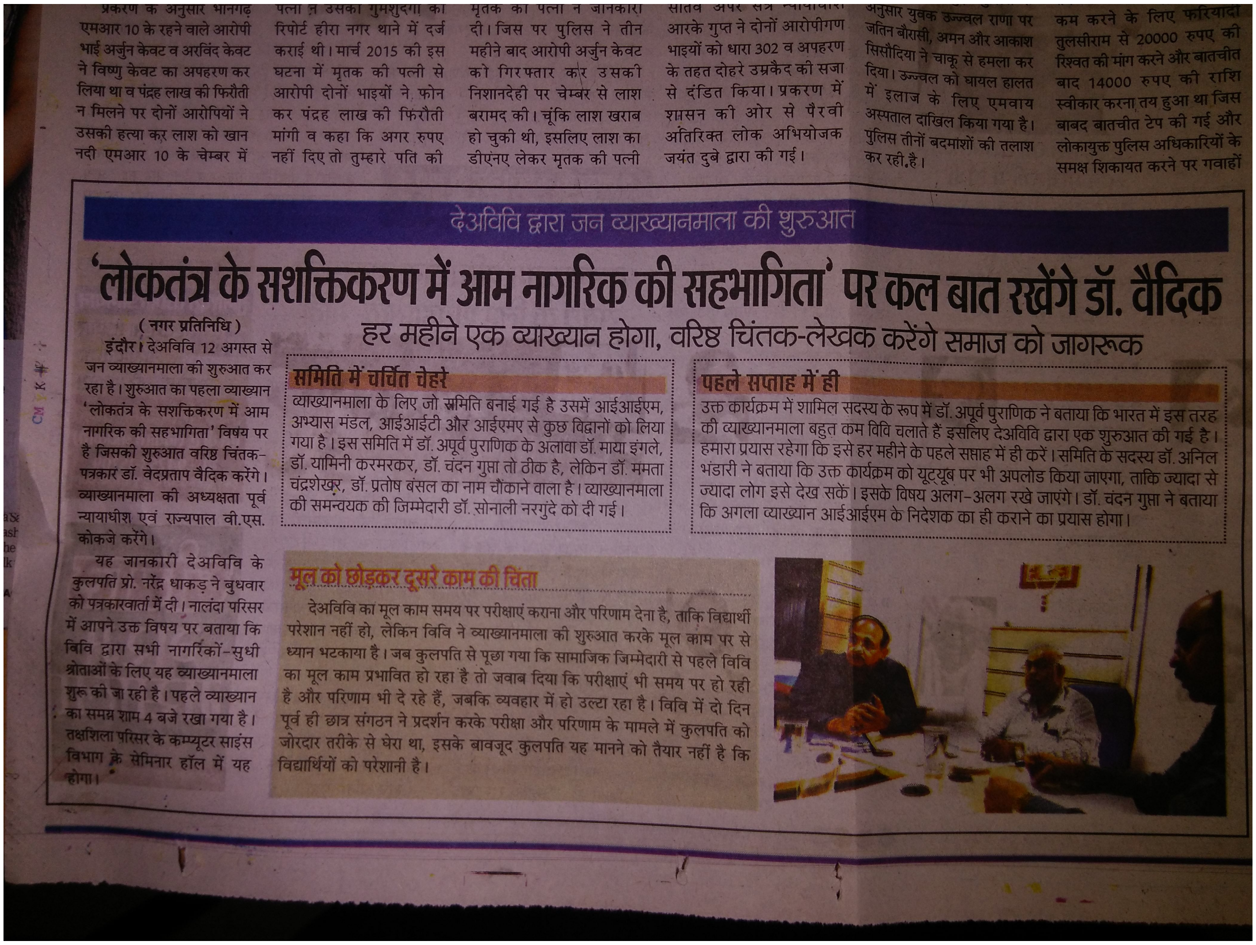

प्रकरण के अनुसार भानगढ़ एमआर 10 के रहने वाले आरोपी भाई अर्जुन केवट व अरविंद केवट ने विष्णु केवट का अपहरण कर लिया था व पंद्रह लाख की फिरौती न मिलने पर दोनों आरोपियों ने उसकी हत्या कर लाश को खान नदी एमआर 10 के चेम्बर में

पत्नी ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट हीरा नगर थाने में दर्ज कराई थी। मार्च 2015 की इस घटना में मृतक की पत्नी से आरोपी दोनों भाइयों ने फोन कर पंद्रह लाख की फिंरौती मांगी व कहा कि अगर रुपए नहीं दिए तो तुम्हारे पति की

मृतक की पत्नी ने जानकारी दी। जिस पर पुलिस ने तीन महीने बाद आरोपी अर्जुन केवट को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर चेम्बर से लाश बरामद की। चूंकि लाश खराब हो चुकी थी, इसलिए लाश का डीएंनए लेकर मृतक की पत्नी

सातवें अपर सत्र न्यायाधीश आरके गुप्त ने दोनों आरोपीगण भाइयों को धारा 302 व अपहरण के तहत दोहरे उम्रकैद की सजा से दंडित किया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक जयंत दुबे द्वारा की गई।

अनुसार युवक उज्ज्वल राणा पर जतिन बौरासी, अमन और आकाश सिसौदिया ने चाकू से हमला कर दिया। उज्ज्वल को घायल हालत में इलाज के लिए एमवाय अस्पताल दाखिल किया गया है। पुलिस तीनों बदमाशों की तलाश कर रही.है।

कम करने के लिए फरियादी तुलसीराम से 20000 रुपए की रिश्वत की मांग करने और बातचीत बाद 14000 रुपए की राशि स्वीकार करना तय हुआ था जिस बाबद बातचीत टेप की गई और लोकायुक्त पुलिस अधिकारियों के समक्ष शिकायत करने पर गवाहों

देअविवि द्वारा जन व्याख्यानमाला की शुरुआत

‘लोकतंत्र के सशक्तिकरण में आम नागरिक की सहभागिता’ पर कल बात रखेंगे डॉ. वैदिक

हर महीने एक व्याख्यान होगा, वरिष्ठ चिंतक-लेखक करेंगे समाज को जागरूक

(नगर प्रतिनिधि)

इंदौर। देअविवि 12 अगस्त से जन व्याख्यानमाला की शुरुआत कर रहा है। शुरुआत का पहला व्याख्यान ‘लोकतंत्र के सशक्तिकरण में आम नागरिक की सहभागिता’ विषय पर है जिसकी शुरुआत वरिष्ठ चिंतक-पत्रकार डॉ. वेदप्रताप वैदिक करेंगे। व्याख्यानमाला की अध्यक्षता पूर्व न्यायाधीश एवं राज्यपाल वी.एस. कोकजे करेंगे।

यह जानकारी देअविवि के कुलपति प्रो. नरेंद्र धाकड़ ने बुधवार को पत्रकारवार्ता में दी। नालंदा परिसर में आपने उक्त विषय पर बताया कि विवि द्वारा सभी नागरिकों-सुधी श्रोताओं के लिए यह व्याख्यानमाला शुरू की जा रही है। पहले व्याख्यान का समय शाम 4 बजे रखा गया है। तक्षशिला परिसर के कम्प्यूटर साइंस विभाग के सेमिनार हॉल में यह होगा।

समिति में चर्चित चेहरे

व्याख्यानमाला के लिए जो समिति बनाई गई है उसमें आईआईएम, अभ्यास मंडल, आईआईटी और आईएमए से कुछ विद्वानों को लिया गया है। इस समिति में डॉ. अपूर्व पुराणिक के अलावा डॉ. माया इंगले, डॉ. यामिनी करमरकर, डॉ. चंदन गुप्ता तो ठीक है, लेकिन डॉ. ममता चंद्रशेखर, डॉ. प्रतोष बंसल का नाम चौंकाने वाला है। व्याख्यानमाला की समन्वयक की जिम्मेदारी डॉ. सोनाली नरगुंदे को दी गई।

पहले सप्ताह में ही

उक्त कार्यक्रम में शामिल सदस्य के रूप में डॉ. अपूर्व पुराणिक ने बताया कि भारत में इस तरह की व्याख्यानमाला बहुत कम विवि चलाते हैं इसलिए देअविवि द्वारा एक शुरुआत की गई है। हमारा प्रयास रहेगा कि इसे हर महीने के पहले सप्ताह में ही करें। समिति के सदस्य डॉ. अनिल भंडारी ने बताया कि उक्त कार्यक्रम को यूट्यूब पर भी अपलोड किया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसे देख सकें। इसके विषय अलग-अलग रखे जाएंगे। डॉ. चंदन गुप्ता ने बताया कि अगला व्याख्यान आईआईएम के निदेशक का ही कराने का प्रयास होगा।

मूल को छोड़कर दूसरे काम की चिंता

देअविवि का मूल काम समय पर परीक्षाएं कराना और परिणाम देना है, ताकि विद्यार्थी परेशान नहीं हो, लेकिन विवि ने व्याख्यानमाला की शुरुआत करके मूल काम पर से ध्यान भटकाया है। जब कुलपति से पूछा गया कि सामाजिक जिम्मेदारी से पहले विवि का मूल काम प्रभावित हो रहा है तो जवाब दिया कि परीक्षाएं भी समय पर हो रही है और परिणाम भी दे रहे हैं, जबकि व्यवहार में हो उल्टा रहा है। विवि में दो दिन पूर्व ही छात्र संगठन ने प्रदर्शन करके परीक्षा और परिणाम के मामले में कुलपति को जोरदार तरीके से घेरा था, इसके बावजूद कुलपति यह मानने को तैयार नहीं है कि विद्यार्थियों को परेशानी है।

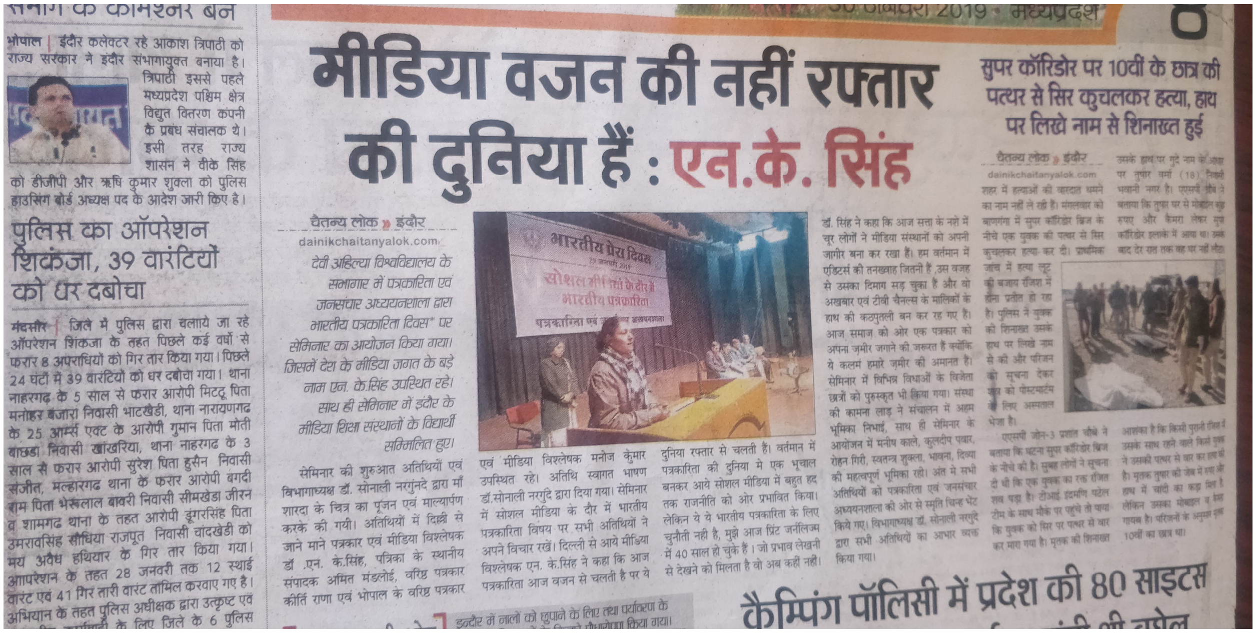

संभाग के कमिश्नर बने

भोपाल | इंदौर कलेक्टर रहे आकाश त्रिपाठी को राज्य सरकार ने इंदौर संभागायुक्त बनाया है। त्रिपाठी इससे पहले मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक थे। इसी तरह राज्य शासन ने वीके सिंह को डीजीपी और ऋषि कुमार शुक्ला को पुलिस हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष पद के आदेश जारी किए है।

पुलिस का ऑपरेशन शिकंजा, 39 वारंटियों को धर दबोचा

मंदसौर | जिले में पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन शिकंजा के तहत पिछले कई वर्षो से फरार 8 अपराधियों को गिर तार किया गया। पिछले 24 घंटों में 39 वारंटियों को धर दबोचा गया। थाना नाहरगढ़ के 5 साल से फरार आरोपी मिट्टू पिता मनोहर बंजारा निवासी भाटखेडी, थाना नारायणगढ के 25 आर्म्स एक्ट के आरोपी गुमान पिता मोती बाछडा निवासी खांखरिया, थाना नाहरगढ के 3 साल से फरार आरोपी सुरेश पिता हुसैन निवासी संजीत, मल्हारगढ थाना के फरार आरोपी बगदी राम पिता भेरूलाल बावरी निवासी सीमखेडा जीरन व शामगढ थाना के तहत आरोपी डूंगरसिंह पिता उमरावसिंह सौंधिया राजपूत निवासी चांदखेडी को मय अवैध हथियार के गिर तार किया गया। आपरेशन के तहत 28 जनवरी तक 12 स्थाई वारंट एवं 41 गिर तारी वारंट तामिल करवाए गए है। अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक द्वारा उत्कृष्ट एवं कार्यवाही के लिए जिले के 6 पुलिस

मीडिया वजन की नहीं रफ्तार की दुनिया हैं : एन.के. सिंह

चैतन्य लोक » इंदौर
dainikchaitanyalok.com

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के सभागार में पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला द्वारा भारतीय पत्रकारिता दिवस" पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें देश के मीडिया जगत के बड़े नाम एन. के.सिंह उपस्थित रहे। साथ ही सेमिनार में इंदौर के मीडिया शिक्षा संस्थानों के विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

सेमिनार की शुरुआत अतिथियों एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुंनदे द्वारा माँ शारदा के चित्र का पूजन एवं माल्यार्पण करके की गयी। अतिथियों में दिल्ली से जाने माने पत्रकार एवं मीडिया विश्लेषक डॉ .एन. के.सिंह, पत्रिका के स्थानीय संपादक अमित मंडलोई, वरिष्ठ पत्रकार कीर्ति राणा एवं भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया विश्लेषक मनोज कुमार उपस्थित रहे। अतिथि स्वागत भाषण डॉ.सोनाली नरगुंदे द्वारा दिया गया। सेमिनार में सोशल मीडिया के दौर में भारतीय पत्रकारिता विषय पर सभी अतिथियों ने अपने विचार रखें। दिल्ली से आये मीडिया विश्लेषक एन. के.सिंह ने कहा कि आज पत्रकारिता आज वजन से चलती है पर ये दुनिया रफ्तार से चलती हैं। वर्तमान में पत्रकारिता की दुनिया मे एक भूचाल बनकर आये सोशल मीडिया में बहुत हद तक राजनीति को ओर प्रभावित किया। लेकिन ये ये भारतीय पत्रकारिता के लिए चुनौती नही है, मुझे आज प्रिंट जर्नलिज्म में 40 साल हो चुके हैं । जो प्रभाव लेखनी से देखने को मिलता है वो अब कहीं नही। डॉ. सिंह ने कहा कि आज सत्ता के नशे में चूर लोगों ने मीडिया संस्थानों को अपनी जागीर बना कर रखा हैं। हम वर्तमान में एडिटर्स की तनख्वाह जितनी हैं ,उस वजह से उसका दिमाग सड़ चुका है और वो अखबार एवं टीवी चैनल्स के मालिकों के हाथ की कठपुतली बन कर रह गए हैं। आज समाज को ओर एक पत्रकार को अपना ज़मीर जगाने की जरूरत है क्योंकि ये कलम हमारे ज़मीर की अमानत हैं। सेमिनार में विभिन्न विधाओं के विजेता छात्रों को पुरुस्कृत भी किया गया। संस्था की कामना लाड़ ने संचालन में अहम भूमिका निभाई, साथ ही सेमिनार के आयोजन में मनीष काले, कुलदीप पवार, रोहन गिरी, स्वतन्त्र शुक्ला, भावना, दिव्या की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत मे सभी अतिथियों को पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किये गए। विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुंदे द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

सुपर कॉरिडोर पर 10वीं के छात्र की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या, हाथ पर लिखे नाम से शिनाख्त हुई

चैतन्य लोक » इंदौर
dainikchaitanyalok.com

शहर में हत्याओं की वारदात थमने का नाम नहीं ले रही है। मंगलवार को बाणगंगा में सुपर कॉरिडोर ब्रिज के नीचे एक युवक की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी। प्राथमिक जांच में हत्या लूट की बजाय रंजिश में होना प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने युवक की शिनाख्त उसके हाथ पर लिखे नाम से की और परिजन को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा है।

एएसपी जोन-3 प्रशांत चौबे ने बताया कि घटना सुपर कॉरिडोर ब्रिज के नीचे की है। सुबह लोगों ने सूचना दी थी कि एक युवक का रक्त रंजित शव पड़ा है। टीआई इंद्रमणि पटेल टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो पाया कि युवक को सिर पर पत्थर से वार कर मारा गया है। मृतक की शिनाख्त उसके हाथ पर गुदे नाम के आधार पर तुषार वर्मा (18) निवासी भवानी नगर है। एएसपी चौबे ने बताया कि तुषार घर से मोबाइल कुछ रुपए और कैमरा लेकर सुपर कॉरिडोर इलाके में आया था। उसके बाद देर रात तक वह घर नहीं लौटा। आशंका है कि किसी पुरानी रंजिश में उसके साथ रहने वाले किसी युवक ने उसकी पत्थर से वार कर हत्या की है। मृतक तुषार की जेब में रुपए और हाथ में चांदी का कड़ा मिला है लेकिन उसका मोबाइल व कैमरा गायब है। परिजनों के अनुसार मृतक 10वीं का छात्र था।

इन्दौर में नालों को छुपाने के लिए तथा पर्यावरण के

कैम्पिंग पॉलिसी में प्रदेश की 80 साइटस

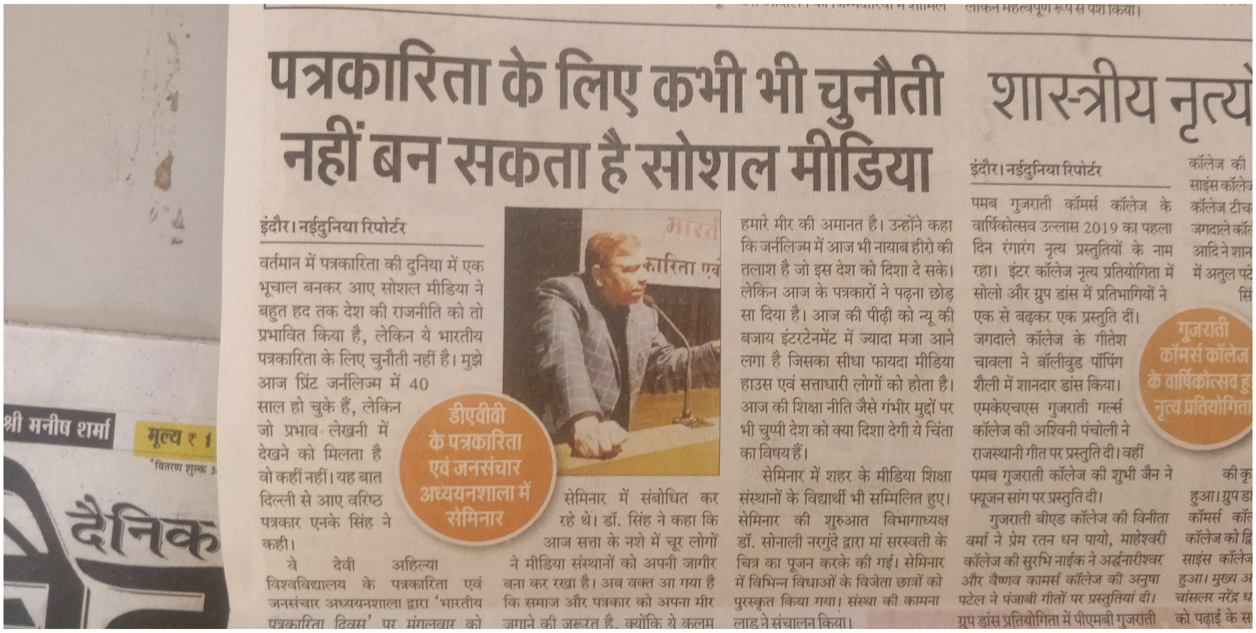

पत्रकारिता के लिए कभी भी चुनौती नहीं बन सकता है सोशल मीडिया

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

डीएवीवी के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में सेमिनार

वर्तमान में पत्रकारिता की दुनिया में एक भूचाल बनकर आए सोशल मीडिया ने बहुत हद तक देश की राजनीति को तो प्रभावित किया है, लेकिन ये भारतीय पत्रकारिता के लिए चुनौती नहीं है। मुझे आज प्रिंट जर्नलिज्म में 40 साल हो चुके हैं, लेकिन जो प्रभाव लेखनी में देखने को मिलता है वो कहीं नहीं। यह बात दिल्ली से आए वरिष्ठ पत्रकार एनके सिंह ने कही।

वे देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला द्वारा 'भारतीय पत्रकारिता दिवस' पर मंगलवार को सेमिनार में संबोधित कर रहे थे। डॉ. सिंह ने कहा कि आज सत्ता के नशे में चूर लोगों ने मीडिया संस्थानों को अपनी जागीर बना कर रखा है। अब वक्त आ गया है कि समाज और पत्रकार को अपना मीर जगाने की जरूरत है, क्योंकि ये कलम हमारे मीर की अमानत है। उन्होंने कहा कि जर्नलिज्म में आज भी नायाब हीरो की तलाश है जो इस देश को दिशा दे सके। लेकिन आज के पत्रकारों ने पढ़ना छोड़ सा दिया है। आज की पीढ़ी को न्यू की बजाय इंटरटेनमेंट में ज्यादा मजा आने लगा है जिसका सीधा फायदा मीडिया हाउस एवं सत्ताधारी लोगों को होता है। आज की शिक्षा नीति जैसे गंभीर मुद्दों पर भी चुप्पी देश को क्या दिशा देगी ये चिंता का विषय हैं।

सेमिनार में शहर के मीडिया शिक्षा संस्थानों के विद्यार्थी भी सम्मिलित हुए। सेमिनार की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुंदे द्वारा मां सरस्वती के चित्र का पूजन करके की गई। सेमिनार में विभिन्न विधाओं के विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया। संस्था की कामना लाड ने संचालन किया।

शास्त्रीय नृत्यो

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

गुजराती कॉमर्स कॉलेज के वार्षिकोत्सव हु नृत्य प्रतियोगिता

पमब गुजराती कॉमर्स कॉलेज के वार्षिकोत्सव उल्लास 2019 का पहला दिन रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियों के नाम रहा। इंटर कॉलेज नृत्य प्रतियोगिता में सोलो और ग्रुप डांस में प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दीं। जगदाले कॉलेज के गीतेश चावला ने बॉलीवुड पॉपिंग शैली में शानदार डांस किया। एमकेएचएस गुजराती गर्ल्स कॉलेज की अश्विनी पंचोली ने राजस्थानी गीत पर प्रस्तुति दी। वहीं पमब गुजराती कॉलेज की शुभी जैन ने फ्यूजन सांग पर प्रस्तुति दी।

गुजराती बीएड कॉलेज की विनीता वर्मा ने प्रेम रतन धन पायो, माहेश्वरी कॉलेज की सुरभि नाईक ने अर्द्धनारीश्वर और वैष्णव कामर्स कॉलेज की अनुषा पटेल ने पंजाबी गीतों पर प्रस्तुतियां दीं। ग्रुप डांस प्रतियोगिता में पीएमबी गुजराती

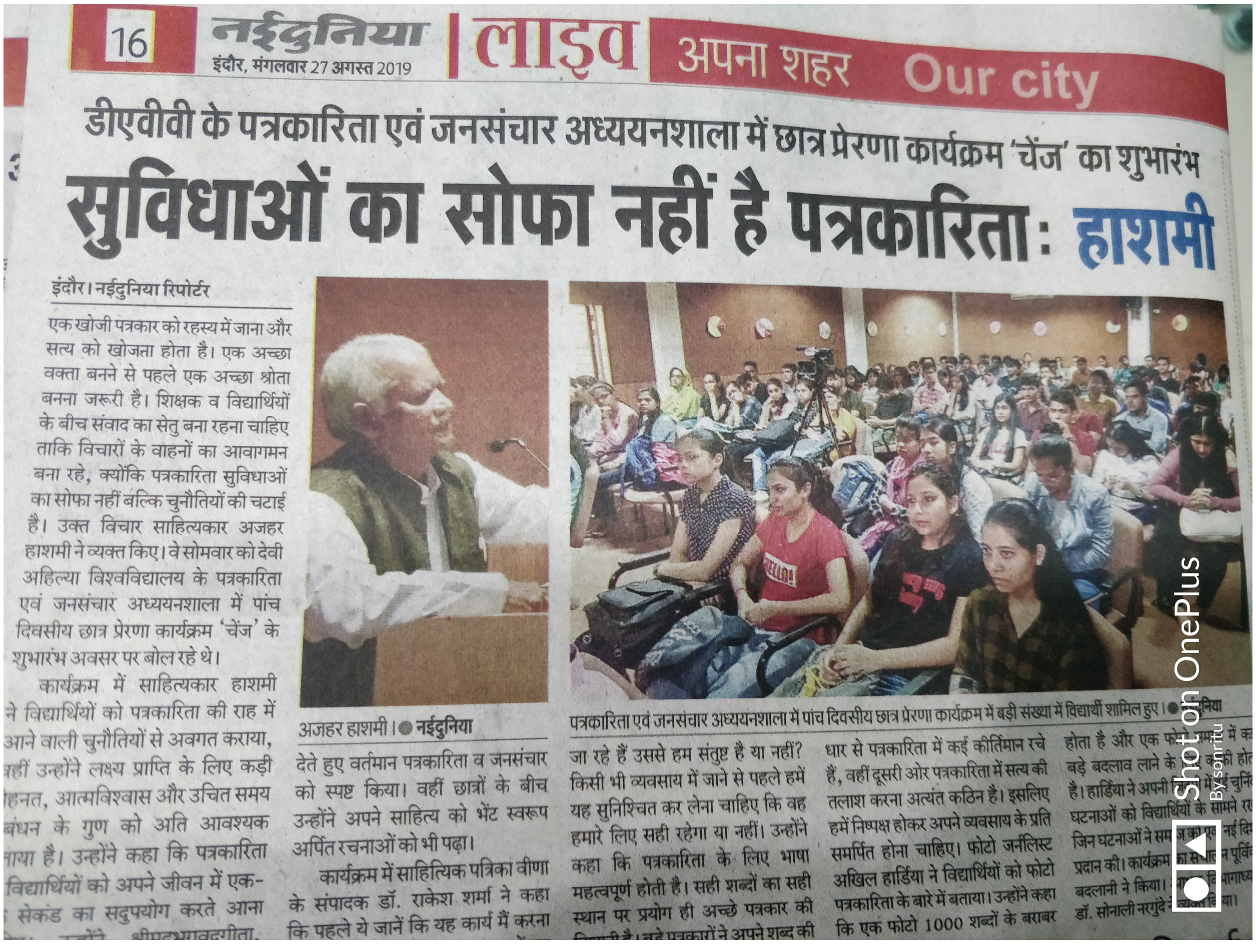

डीएवीवी के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में छात्र प्रेरणा कार्यक्रम 'चेंज' का शुभारंभ

सुविधाओं का सोफा नहीं है पत्रकारिता: हाशमी

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

एक खोजी पत्रकार को रहस्य में जाना और सत्य को खोजना होता है। एक अच्छा वक्ता बनने से पहले एक अच्छा श्रोता बनना जरूरी है। शिक्षक व विद्यार्थियों के बीच संवाद का सेतु बना रहना चाहिए ताकि विचारों के वाहनों का आवागमन बना रहे, क्योंकि पत्रकारिता सुविधाओं का सोफा नहीं बल्कि चुनौतियों की चटाई है। उक्त विचार साहित्यकार अजहर हाशमी ने व्यक्त किए। वे सोमवार को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में पांच दिवसीय छात्र प्रेरणा कार्यक्रम 'चेंज' के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे।

कार्यक्रम में साहित्यकार हाशमी ने विद्यार्थियों को पत्रकारिता की राह में आने वाली चुनौतियों से अवगत कराया, हीं उन्होंने लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी हनत, आत्मविश्वास और उचित समय बंधन के गुण को अति आवश्यक ताया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता विद्यार्थियों को अपने जीवन में एक- सेकंड का सदुपयोग करते आना

अजहर हाशमी। नईदुनिया

पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में पांच दिवसीय छात्र प्रेरणा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। नईदुनिया

देते हुए वर्तमान पत्रकारिता व जनसंचार को स्पष्ट किया। वहीं छात्रों के बीच उन्होंने अपने साहित्य को भेंट स्वरूप अर्पित रचनाओं को भी पढ़ा।

कार्यक्रम में साहित्यिक पत्रिका वीणा के संपादक डॉ. राकेश शर्मा ने कहा कि पहले ये जानें कि यह कार्य मैं करना जा रहे हैं उससे हम संतुष्ट है या नहीं? किसी भी व्यवसाय में जाने से पहले हमें यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वह हमारे लिए सही रहेगा या नहीं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के लिए भाषा महत्वपूर्ण होती है। सही शब्दों का सही स्थान पर प्रयोग ही अच्छे पत्रकार की

धार से पत्रकारिता में कई कीर्तिमान रचे हैं, वहीं दूसरी ओर पत्रकारिता में सत्य की तलाश करना अत्यंत कठिन है। इसलिए हमें निष्पक्ष होकर अपने व्यवसाय के प्रति समर्पित होना चाहिए। फोटो जर्नलिस्ट अखिल हार्डिया ने विद्यार्थियों को फोटो पत्रकारिता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एक फोटो 1000 शब्दों के बराबर होता है और एक फोटो [illegible] में क बड़े बदलाव लाने के [illegible] होत है। हार्डिया ने अपनी [illegible] में [illegible] चुनि घटनाओं को विद्यार्थियों के सामने र जिन घटनाओं ने सम[illegible] नई दि प्रदान की। कार्यक्रम [illegible] पूर्वि बदलानी ने किया। [illegible] विभागाध्य डॉ. सोनाली नरगुंदे [illegible] किया।

Shot on OnePlus
By sonritu

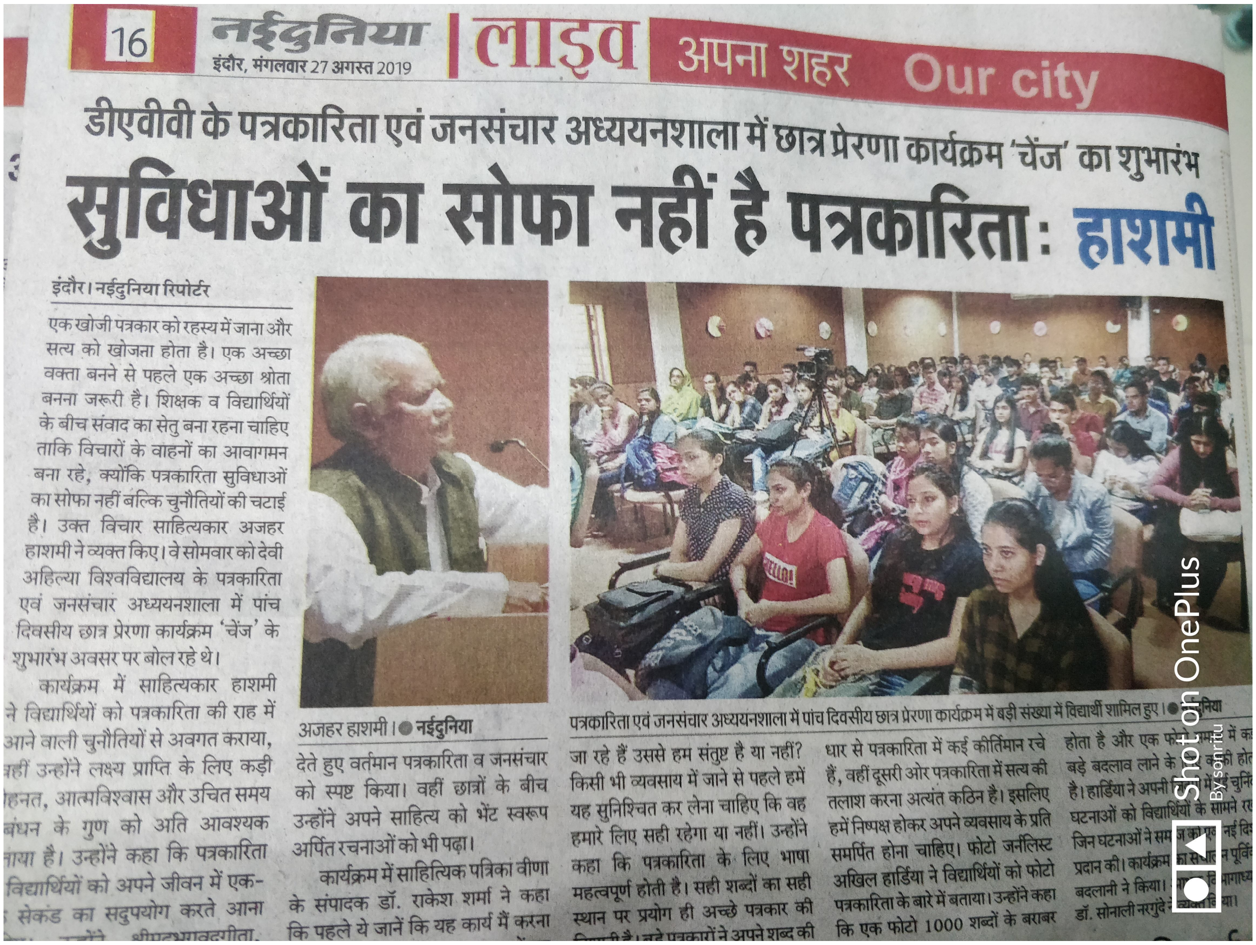

डीएवीवी के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में छात्र प्रेरणा कार्यक्रम 'चेंज' का शुभारंभ

सुविधाओं का सोफा नहीं है पत्रकारिता: हाशमी

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

एक खोजी पत्रकार को रहस्य में जाना और सत्य को खोजना होता है। एक अच्छा वक्ता बनने से पहले एक अच्छा श्रोता बनना जरूरी है। शिक्षक व विद्यार्थियों के बीच संवाद का सेतु बना रहना चाहिए ताकि विचारों के वाहनों का आवागमन बना रहे, क्योंकि पत्रकारिता सुविधाओं का सोफा नहीं बल्कि चुनौतियों की चटाई है। उक्त विचार साहित्यकार अजहर हाशमी ने व्यक्त किए। वे सोमवार को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में पांच दिवसीय छात्र प्रेरणा कार्यक्रम 'चेंज' के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे।

कार्यक्रम में साहित्यकार हाशमी ने विद्यार्थियों को पत्रकारिता की राह में आने वाली चुनौतियों से अवगत कराया, हीं उन्होंने लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी हनत, आत्मविश्वास और उचित समय बंधन के गुण को अति आवश्यक ाया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता विद्यार्थियों को अपने जीवन में एक- सेकंड का सदुपयोग करते आना

अजहर हाशमी। नईदुनिया

देते हुए वर्तमान पत्रकारिता व जनसंचार को स्पष्ट किया। वहीं छात्रों के बीच उन्होंने अपने साहित्य को भेंट स्वरूप अर्पित रचनाओं को भी पढ़ा।

कार्यक्रम में साहित्यिक पत्रिका वीणा के संपादक डॉ. राकेश शर्मा ने कहा कि पहले ये जानें कि यह कार्य मैं करना

पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में पांच दिवसीय छात्र प्रेरणा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। नईदुनिया

जा रहे हैं उससे हम संतुष्ट है या नहीं? किसी भी व्यवसाय में जाने से पहले हमें यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वह हमारे लिए सही रहेगा या नहीं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के लिए भाषा महत्वपूर्ण होती है। सही शब्दों का सही स्थान पर प्रयोग ही अच्छे पत्रकार की

धार से पत्रकारिता में कई कीर्तिमान रचे हैं, वहीं दूसरी ओर पत्रकारिता में सत्य की तलाश करना अत्यंत कठिन है। इसलिए हमें निष्पक्ष होकर अपने व्यवसाय के प्रति समर्पित होना चाहिए। फोटो जर्नलिस्ट अखिल हार्डिया ने विद्यार्थियों को फोटो पत्रकारिता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एक फोटो 1000 शब्दों के बराबर

होता है और एक फो[illegible] में क बड़े बदलाव लाने के [illegible] की होत है। हार्डिया ने अपनी [illegible] में [illegible] चुनिं घटनाओं को विद्यार्थियों के सामने रख जिन घटनाओं ने सम[illegible] नई दि प्रदान की। कार्यक्रम [illegible] पूर्वि बदलानी ने किया। [illegible] विभागाध्य डॉ. सोनाली नरगुंदे [illegible] किया।

Shot on OnePlus
By sonritu

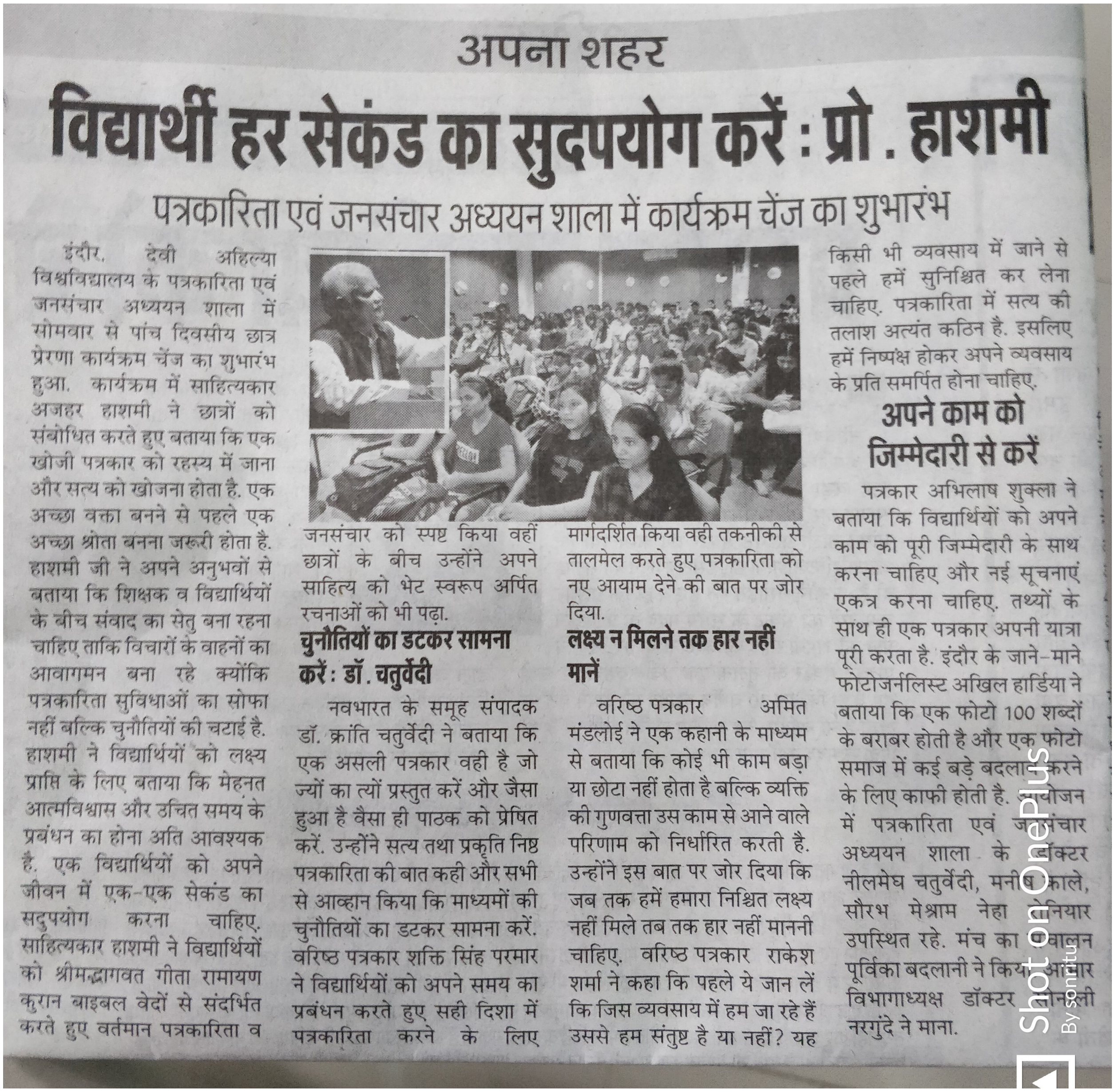

विद्यार्थी हर सेकंड का सुदपयोग करें : प्रो . हाशमी

पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन शाला में कार्यक्रम चेंज का शुभारंभ

इंदौर. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन शाला में सोमवार से पांच दिवसीय छात्र प्रेरणा कार्यक्रम चेंज का शुभारंभ हुआ. कार्यक्रम में साहित्यकार अजहर हाशमी ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि एक खोजी पत्रकार को रहस्य में जाना और सत्य को खोजना होता है. एक अच्छा वक्ता बनने से पहले एक अच्छा श्रोता बनना जरूरी होता है. हाशमी जी ने अपने अनुभवों से बताया कि शिक्षक व विद्यार्थियों के बीच संवाद का सेतु बना रहना चाहिए ताकि विचारों के वाहनों का आवागमन बना रहे क्योंकि पत्रकारिता सुविधाओं का सोफा नहीं बल्कि चुनौतियों की चटाई है. हाशमी ने विद्यार्थियों को लक्ष्य प्राप्ति के लिए बताया कि मेहनत आत्मविश्वास और उचित समय के प्रबंधन का होना अति आवश्यक है. एक विद्यार्थियों को अपने जीवन में एक-एक सेकंड का सदुपयोग करना चाहिए. साहित्यकार हाशमी ने विद्यार्थियों को श्रीमद्भागवत गीता रामायण कुरान बाइबल वेदों से संदर्भित करते हुए वर्तमान पत्रकारिता व जनसंचार को स्पष्ट किया वहीं छात्रों के बीच उन्होंने अपने साहित्य को भेट स्वरूप अर्पित रचनाओं को भी पढ़ा.

चुनौतियों का डटकर सामना करें : डॉ . चतुर्वेदी

नवभारत के समूह संपादक डॉ. क्रांति चतुर्वेदी ने बताया कि एक असली पत्रकार वही है जो ज्यों का त्यों प्रस्तुत करें और जैसा हुआ है वैसा ही पाठक को प्रेषित करें. उन्होंने सत्य तथा प्रकृति निष्ठ पत्रकारिता की बात कही और सभी से आव्हान किया कि माध्यमों की चुनौतियों का डटकर सामना करें. वरिष्ठ पत्रकार शक्ति सिंह परमार ने विद्यार्थियों को अपने समय का प्रबंधन करते हुए सही दिशा में पत्रकारिता करने के लिए मार्गदर्शित किया वही तकनीकी से तालमेल करते हुए पत्रकारिता को नए आयाम देने की बात पर जोर दिया.

लक्ष्य न मिलने तक हार नहीं मानें

वरिष्ठ पत्रकार अमित मंडलोई ने एक कहानी के माध्यम से बताया कि कोई भी काम बड़ा या छोटा नहीं होता है बल्कि व्यक्ति की गुणवत्ता उस काम से आने वाले परिणाम को निर्धारित करती है. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब तक हमें हमारा निश्चित लक्ष्य नहीं मिले तब तक हार नहीं माननी चाहिए. वरिष्ठ पत्रकार राकेश शर्मा ने कहा कि पहले ये जान लें कि जिस व्यवसाय में हम जा रहे हैं उससे हम संतुष्ट है या नहीं? यह किसी भी व्यवसाय में जाने से पहले हमें सुनिश्चित कर लेना चाहिए. पत्रकारिता में सत्य की तलाश अत्यंत कठिन है. इसलिए हमें निष्पक्ष होकर अपने व्यवसाय के प्रति समर्पित होना चाहिए.

अपने काम को जिम्मेदारी से करें

पत्रकार अभिलाष शुक्ला ने बताया कि विद्यार्थियों को अपने काम को पूरी जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए और नई सूचनाएं एकत्र करना चाहिए. तथ्यों के साथ ही एक पत्रकार अपनी यात्रा पूरी करता है. इंदौर के जाने-माने फोटोजर्नलिस्ट अखिल हार्डिया ने बताया कि एक फोटो 100 शब्दों के बराबर होती है और एक फोटो समाज में कई बड़े बदलाव करने के लिए काफी होती है. आयोजन में पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन शाला के डॉक्टर नीलमेघ चतुर्वेदी, मनीष काले, सौरभ मेश्राम नेहा [illegible] उपस्थित रहे. मंच का संचालन पूर्विका बदलानी ने किया आभार विभागाध्यक्ष डॉक्टर सोनाली नरगुंदे ने माना.

Shot on OnePlus
By sonritu

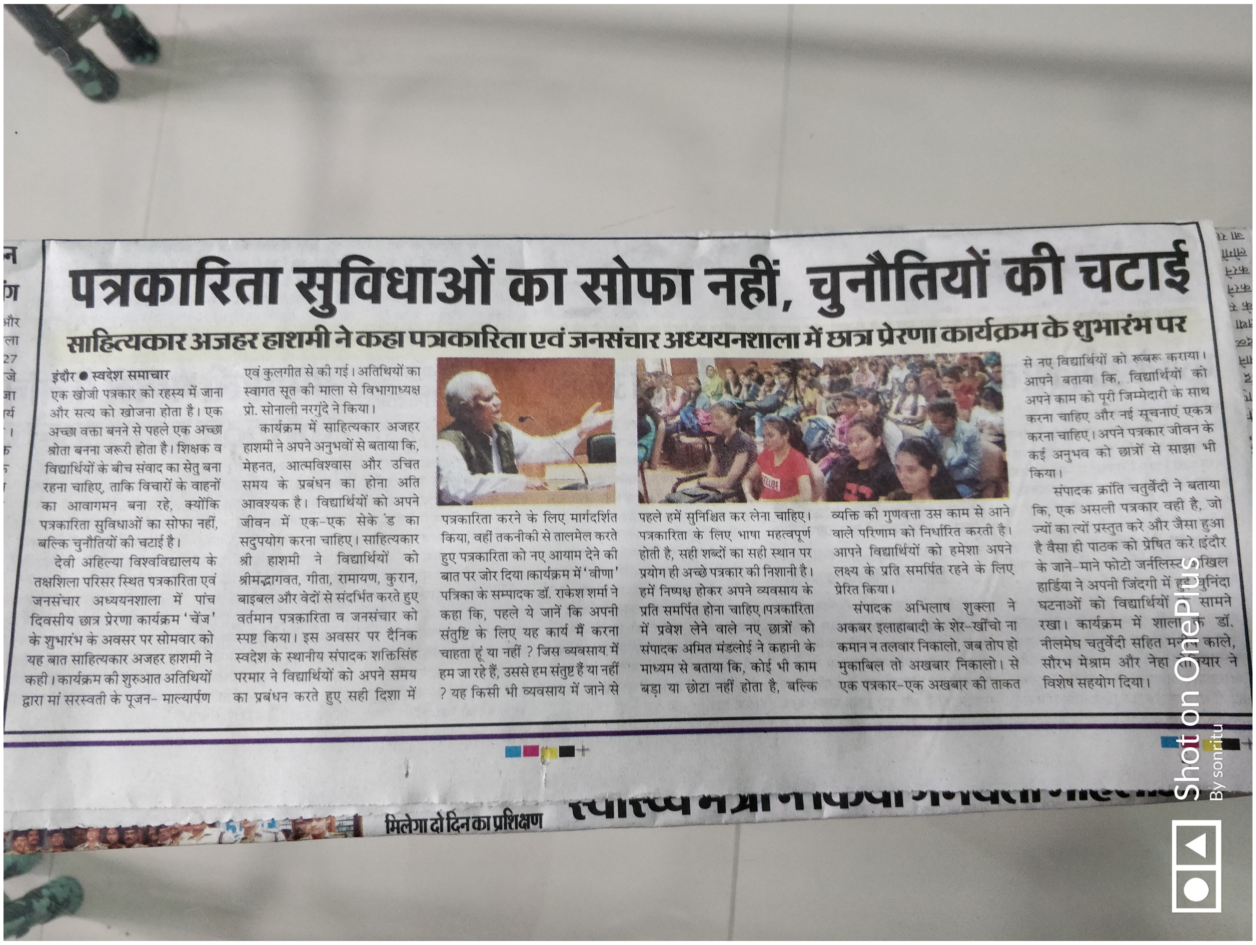

पत्रकारिता सुविधाओं का सोफा नहीं, चुनौतियों की चटाई

साहित्यकार अजहर हाशमी ने कहा पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में छात्र प्रेरणा कार्यक्रम के शुभारंभ पर

इंदौर ● स्वदेश समाचार

एक खोजी पत्रकार को रहस्य में जाना और सत्य को खोजना होता है। एक अच्छा वक्ता बनने से पहले एक अच्छा श्रोता बनना जरूरी होता है। शिक्षक व विद्यार्थियों के बीच संवाद का सेतु बना रहना चाहिए, ताकि विचारों के वाहनों का आवागमन बना रहे, क्योंकि पत्रकारिता सुविधाओं का सोफा नहीं, बल्कि चुनौतियों की चटाई है।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के तक्षशिला परिसर स्थित पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में पांच दिवसीय छात्र प्रेरणा कार्यक्रम 'चेंज' के शुभारंभ के अवसर पर सोमवार को यह बात साहित्यकार अजहर हाशमी ने कही। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के पूजन- माल्यार्पण एवं कुलगीत से की गई। अतिथियों का स्वागत सूत की माला से विभागाध्यक्ष प्रो. सोनाली नरगुंदे ने किया।

कार्यक्रम में साहित्यकार अजहर हाशमी ने अपने अनुभवों से बताया कि, मेहनत, आत्मविश्वास और उचित समय के प्रबंधन का होना अति आवश्यक है। विद्यार्थियों को अपने जीवन में एक-एक सेकेंड का सदुपयोग करना चाहिए। साहित्यकार श्री हाशमी ने विद्यार्थियों को श्रीमद्भागवत, गीता, रामायण, कुरान, बाइबल और वेदों से संदर्भित करते हुए वर्तमान पत्रकारिता व जनसंचार को स्पष्ट किया। इस अवसर पर दैनिक स्वदेश के स्थानीय संपादक शक्तिसिंह परमार ने विद्यार्थियों को अपने समय का प्रबंधन करते हुए सही दिशा में पत्रकारिता करने के लिए मार्गदर्शित किया, वहीं तकनीकी से तालमेल करते हुए पत्रकारिता को नए आयाम देने की बात पर जोर दिया।कार्यक्रम में 'वीणा' पत्रिका के सम्पादक डॉ. राकेश शर्मा ने कहा कि, पहले ये जानें कि अपनी संतुष्टि के लिए यह कार्य मैं करना चाहता हूं या नहीं ? जिस व्यवसाय में हम जा रहे हैं, उससे हम संतुष्ट हैं या नहीं ? यह किसी भी व्यवसाय में जाने से पहले हमें सुनिश्चित कर लेना चाहिए। पत्रकारिता के लिए भाषा महत्वपूर्ण होती है, सही शब्दों का सही स्थान पर प्रयोग ही अच्छे पत्रकार की निशानी है। हमें निष्पक्ष होकर अपने व्यवसाय के प्रति समर्पित होना चाहिए।पत्रकारिता में प्रवेश लेने वाले नए छात्रों को संपादक अमित मंडलोई ने कहानी के माध्यम से बताया कि, कोई भी काम बड़ा या छोटा नहीं होता है, बल्कि व्यक्ति की गुणवत्ता उस काम से आने वाले परिणाम को निर्धारित करती है। आपने विद्यार्थियों को हमेशा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया।

संपादक अभिलाष शुक्ला ने अकबर इलाहाबादी के शेर-खींचो ना कमान न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तो अखबार निकालो। से एक पत्रकार-एक अखबार की ताकत से नए विद्यार्थियों को रूबरू कराया। आपने बताया कि, विद्यार्थियों को अपने काम को पूरी जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए और नई सूचनाएं एकत्र करना चाहिए। अपने पत्रकार जीवन के कई अनुभव को छात्रों से साझा भी किया।

संपादक क्रांति चतुर्वेदी ने बताया कि, एक असली पत्रकार वही है, जो ज्यों का त्यों प्रस्तुत करे और जैसा हुआ है वैसा ही पाठक को प्रेषित करे।इंदौर के जाने-माने फोटो जर्नलिस्ट [illegible]खिल हार्डिया ने अपनी जिंदगी में हुई चुनिंदा घटनाओं को विद्यार्थियों के सामने रखा। कार्यक्रम में शाला के डॉ. नीलमेघ चतुर्वेदी सहित [illegible] काले, सौरभ मेश्राम और नेहा [illegible]यार ने विशेष सहयोग दिया।

मिलेगा दो दिन का प्रशिक्षण

Shot on OnePlus
By sonritu

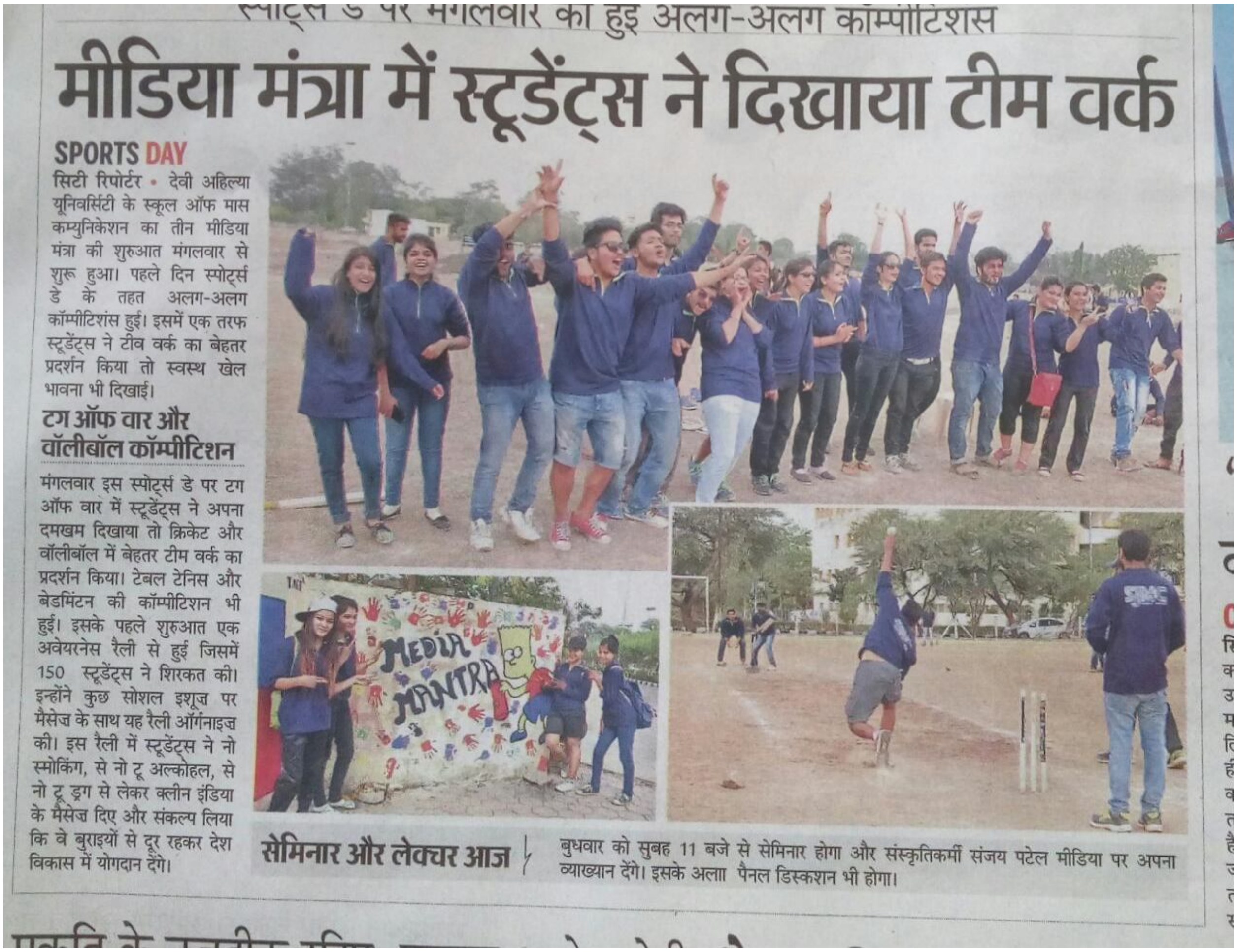

MEDIA MANTRA

स्पोर्ट्स डे पर मंगलवार को हुई अलग-अलग कॉम्पीटिशंस

मीडिया मंत्रा में स्टूडेंट्स ने दिखाया टीम वर्क

SPORTS DAY

सिटी रिपोर्टर • देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन का तीन मीडिया मंत्रा की शुरुआत मंगलवार से शुरू हुआ। पहले दिन स्पोर्ट्स डे के तहत अलग-अलग कॉम्पीटिशंस हुई। इसमें एक तरफ स्टूडेंट्स ने टीव वर्क का बेहतर प्रदर्शन किया तो स्वस्थ खेल भावना भी दिखाई।

टग ऑफ वार और वॉलीबॉल कॉम्पीटिशन

मंगलवार इस स्पोर्ट्स डे पर टग ऑफ वार में स्टूडेंट्स ने अपना दमखम दिखाया तो क्रिकेट और वॉलीबॉल में बेहतर टीम वर्क का प्रदर्शन किया। टेबल टेनिस और बेडमिंटन की कॉम्पीटिशन भी हुई। इसके पहले शुरुआत एक अवेयरनेस रैली से हुई जिसमें 150 स्टूडेंट्स ने शिरकत की। इन्होंने कुछ सोशल इशूज पर मैसेज के साथ यह रैली ऑर्गनाइज की। इस रैली में स्टूडेंट्स ने नो स्मोकिंग, से नो टू अल्कोहल, से नो टू ड्रग से लेकर क्लीन इंडिया के मैसेज दिए और संकल्प लिया कि वे बुराइयों से दूर रहकर देश विकास में योगदान देंगे।

सेमिनार और लेक्चर आज बुधवार को सुबह 11 बजे से सेमिनार होगा और संस्कृतिकर्मी संजय पटेल मीडिया पर अपना व्याख्यान देंगे। इसके अला पैनल डिस्कशन भी होगा।

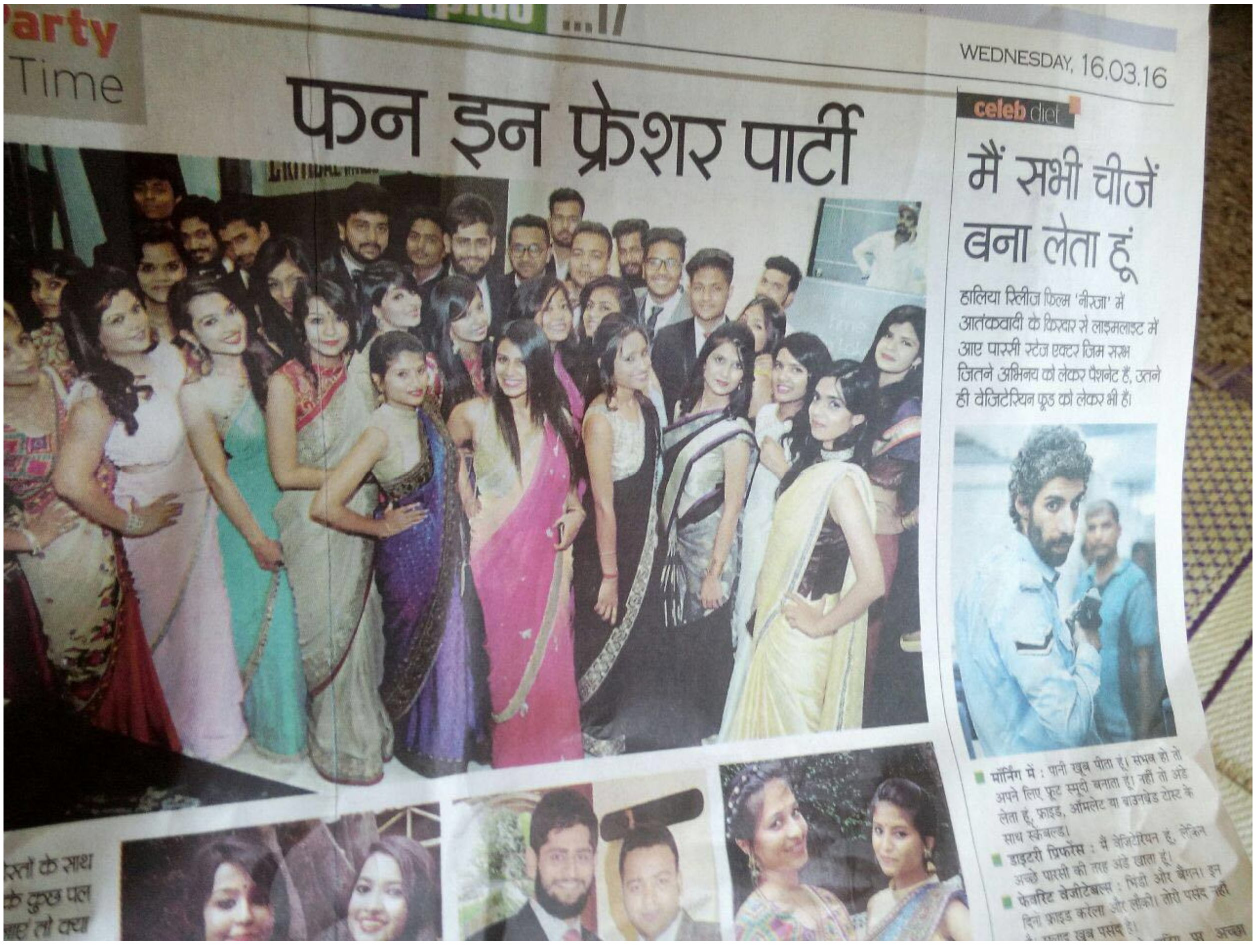

arty
Time

WEDNESDAY, 16.03.16

फन इन फ्रेशर पार्टी

celeb diet

मैं सभी चीजें बना लेता हूं

हालिया रिलीज फिल्म 'नीरजा' में आतंकवादी के किरदार से लाइमलाइट में आए पारसी स्टेज एक्टर जिम सरभ जितने अभिनय को लेकर पैशनेट हैं, उतने ही वेजिटेरियन फूड को लेकर भी हैं।

- **मॉर्निंग में :** पानी खूब पीता हूं। संभव हो तो अपने लिए फ्रूट स्मूदी बनाता हूं। नहीं तो अंडे लेता हूं, फ्राइड, ऑमलेट या ब्राउनब्रेड टोस्ट के साथ स्क्रैम्बल्ड।
- **डाइटरी प्रिफरेंस :** मैं वेजिटेरियन हूं, लेकिन अच्छे पारसी की तरह अंडे खाता हूं।
- **फेवरिट वेजीटेबल्स :** भिंडी और बैंगन। इन दिनों फ्राइड करेला और लौकी। तोरी पसंद नहीं

रितों के साथ
के कुछ पल
ाए तो क्या

नव भारत

अभिभाषक विजय सिंह चौहान सम्मानित

इन्दौर, 1 मार्च. तकनीक और भाषा मनुष्य की चेतना को बदलती है,यह मनुष्य की चेतना को संचालित करती है. संवेदना वाले साहित्य का सृजन कम हो चला है। लिखने के लिए पात्र,घटना और अक्षर नहीं मिलते हैं. अपनी भाषा से पोर्टल के माध्यम से जुड़ें। भाषा से ही संस्कृति बची रहती है। प्रत्येक अक्षर प्राचीन भारतीय संस्कृति का परिचायक है.

यह बात प्रतिष्ठित पत्रिका वीणा के सम्पादक राकेश शर्मा ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के तक्षशिला परिसर स्थित मीडिया भवन में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में कही. अवसर था हिंदीभाषा के लिए कार्यरत पोर्टल हिंदीभाषा डॉट कॉम के पहले स्थापना दिवस के मौके पर विजेता रचनाकारों को सम्मानित करने का. श्री शर्मा का स्वागत शाल-श्रीफल से पोर्टल के संस्थापक-सम्पादक अजय जैन विकल्प और संयोजक सम्पादक एवं पत्रकारिता विभाग की अध्यक्ष डॉ.सोनाली नरगुंदे ने किया. तत्पश्चात अतिथि परिचय संचालन कर रही प्रो.कामना लाड़ ने दिया. पोर्टल की प्रचार प्रमुख सुश्री नमिता दुबे ने डॉ.नरगुंदे और श्री जैन का परिचय दिया. इस मौके पर पोर्टल को आपने शुभकामनाएं देते हुए हिंदी के लिए किए जा रहे हैं कार्य को सराहा. मुख्य अतिथि श्री शर्मा ने दो स्पर्धाओं के विजेताओं विजय सिंह चौहान, डॉ. पूर्णिमा मंडलोई, डॉ.रीता जैन, देवेन्द्र सिंह सिसोदिया, कार्तिकेय त्रिपाठी 'राम' और श्रीमती मीना गोदरे 'अवनि' को पुरस्कृत किया. श्री चौहान को हिन्दी साहित्य क्षेत्र में विशेष स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। कुछ दिन पूर्व ही श्री चौहान को साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु डॉ एस. एन. तिवारी स्मृति में पुरुस्कृत किया गया था. श्री चौहान , उच्चन्यायालय में अभिभाषक के साथ साथ साहित्य में भी समान रूप से कार्य कर रहे है. आपकी साहित्य विधा में लघुकथा, व्यंग्य, कविता, आलेख विभिन्न समाचार पत्रों व पत्रिकाओं में छपते रहे है. कार्यक्रम में रचनाकारों के साथ ही पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे. आभार वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीकांत पंडित ने माना.

संस्कृति को बचाना है तो भाषा को भी बचाना होगा

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

भाषा को बचाए रखने के लिए हम सबको आगे आना होगा। आज तकनीक का समय है। तकनीक और भाषा मनुष्य की चेतना को बदलती है, यह मनुष्य की चेतना को संचालित करती है। संवेदना वाले साहित्य का सृजन कम हो चला है। लिखने के लिए पात्र, घटना और अक्षर नहीं मिलते हैं। अपनी भाषा से पोर्टल के माध्यम से जुड़ें। भाषा से ही संस्कृति बची रहती है। प्रत्येक अक्षर प्राचीन भारतीय संस्कृति का परिचायक है।

यह बात बतौर मुख्य अतिथि राकेश शर्मा ने डीएवीवी के मीडिया भवन में शुक्रवार को विजेता रचनाकारों के सम्मान समारोह में कही। राकेश का सम्मान अजय जैन, पत्रकारिता विभाग की अध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुंदे द्वारा शॉल-श्रीफल से किया गया। राकेश ने अपने उद्‌बोधन में हिंदी की दशा पर कहा कि हिंदी का विकल्प हिंदी ही है, हिंदी भाषा बचेगी तो हम बचेंगे। उन्होंने दो स्पर्धाओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया, जिनमें विजयसिंह चौहान, डॉ. पूर्णिमा मंडलोई, डॉ. रीता जैन, देवेंद्रसिंह सिसोदिया, कार्तिकेय त्रिपाठी 'राम' व मीना गोदरे 'अवनि' को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. कामना लाड़ ने किया।

हिन्दी भाषा से मिला कार्तिकेय त्रिपाठी को सम्मान

इन्दौर. गत 1 मार्च को साहित्यिक गतिविधियों के शीर्ष केन्द्र देवी अहिल्या तक्षशिला परिसर में हिन्दी भाषा.कॉम अंतरताना में कविता लेखन के लिए विजेता रचनाकारों को देश की प्रतिष्ठित हिन्दी साहित्य पत्रिका वीणा के संपादक आदरणीय श्री राकेश शर्मा ने पुरस्कार प्रदान किये ।इस दौरान श्री शर्मा ने प्रमाण पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर इन्दौर के शिक्षक,कवि श्री कार्तिकेय त्रिपाठी" **राम**" के लेखन को सराहा ।कुछ अन्य कलमकारों को भी सम्मानित किया,इसमें विजयसिंह चौहान, पूर्णिमा मंडलोई,मीना गोदरे,देवेन्द्र सिसोदिया,विकास दवे आदि भी शामिल हैं।

राजभाषा से राष्ट्रभा
की ओर एक कद
अंतरताना
hindibhashaa.com

संस्थापक/संपादक अजय जैन %विकल्प% अपने पोर्टल पर हिन्दी भाषा को अपना खोया सम्मान दिलाने के लिए भरसक प्रयत्नशील हैं। वे देश/विदेश के पांच सौ से अधिक कवि/साहित्यकारों को जोड़ चुके हैं और इनकी रचनाएं नियमित प्रकाशित कर हिन्दी भाषा में प्राण फूंक रहे हैं ।हिन्दी में हस्ताक्षर को भी वे बल दे रहे हैं। सोनाली नरगुंदे, नमिता दुबे सहयोगी की भूमिका में हैं। हिन्दी भाषा डांट कांम को देश/विदेश की कई साहित्य संस्थाओं से सम्मान भी मिल चुका है ।अंत में लक्ष्मीकांत पंडित ने आभार व्यक्त किया।

प्रत्येक अक्षर प्राचीन भारतीय संस्कृति का परिचायक-शर्मा

लघु कथाकार विजय सिंह चौहान को सम्मानित करते राकेश शर्मा, अजय जैन विकल्प। समीप है सोनाली नरगुंदे।

लघु कथाकार चौहान सहित अन्य लेखक सम्मानित

दैनिक अवंतिका ▸▸ इंदौर

तकनीक और भाषा मनुष्य की चेतना को बदलती है,यह मनुष्य की चेतना को संचालित करती है। संवेदना वाले साहित्य का सृजन कम हो चला है। लिखने के लिए पात्र,घटना और अक्षर नहीं मिलते हैं। अपनी भाषा से पोर्टल के माध्यम से जुड़ें। भाषा से ही संस्कृति बची रहती है। प्रत्येक अक्षर प्राचीन भारतीय संस्कृति का परिचायक है।

यह बात प्रतिष्ठित पत्रिका वीणा के सम्पादक राकेश शर्मा ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के तक्षशिला परिसर स्थित मीडिया भवन में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में कही। अवसर था हिंदीभाषा के लिए कार्यरत पोर्टल हिंदीभाषा डॉट कॉम के पहले स्थापना दिवस के मौके पर विजेता रचनाकारों को सम्मानित करने का। पोर्टल के संस्थापक-सम्पादक अजय जैन 'विकल्प' और संयोजक सम्पादक एवं पत्रकारिता विभाग की अध्यक्ष डॉ.सोनाली नरगुंदे ने श्री शर्मा का स्वागत शाल-श्रीफल से किया। तत्पश्चात अतिथि परिचय संचालन कर रही प्रो.कामना लाड़ ने दिया। पोर्टल की प्रचार प्रमुख सुश्री नमिता दुबे ने डॉ नरगुंदे और श्री जैन का परिचय दिया।

इस मौके पर पोर्टल को आपने शुभकामनाएं देते हुए हिंदी के लिए किए जा रहे हैं कार्य को सराहा। मुख्य अतिथि शर्मा ने दो स्पधाओं के विजेताओं विजय सिंह चौहान,डॉ.पूर्णिमा मंडलोई, डॉ.रीता जैन,देवेन्द्र सिंह सिसोदिया,कार्तिकेय त्रिपाठी ह्यरामह्न और श्रीमती मीना गोदरे ह्यअवनि' को पुरस्कृत किया।आभार वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीकांत पंडित ने माना। एडवोकेट चौहान को हिन्दी साहित्य क्षेत्र में विशेष स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।इससे पहले चौहान को साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु डॉ एसएन तिवारी स्मृति में पुरुस्कृत किया जा चुका है।वे उच्चन्यायालय में अभिभाषक के साथ साथ साहित्य में भी समान रूप से कार्य कर रहे हैं। आपकी साहित्य विधा में लघुकथा, व्यंग्य, कविता, आलेख विभिन्न समाचार पत्रों व पत्रिकाओं में छपते रहे हैं ।

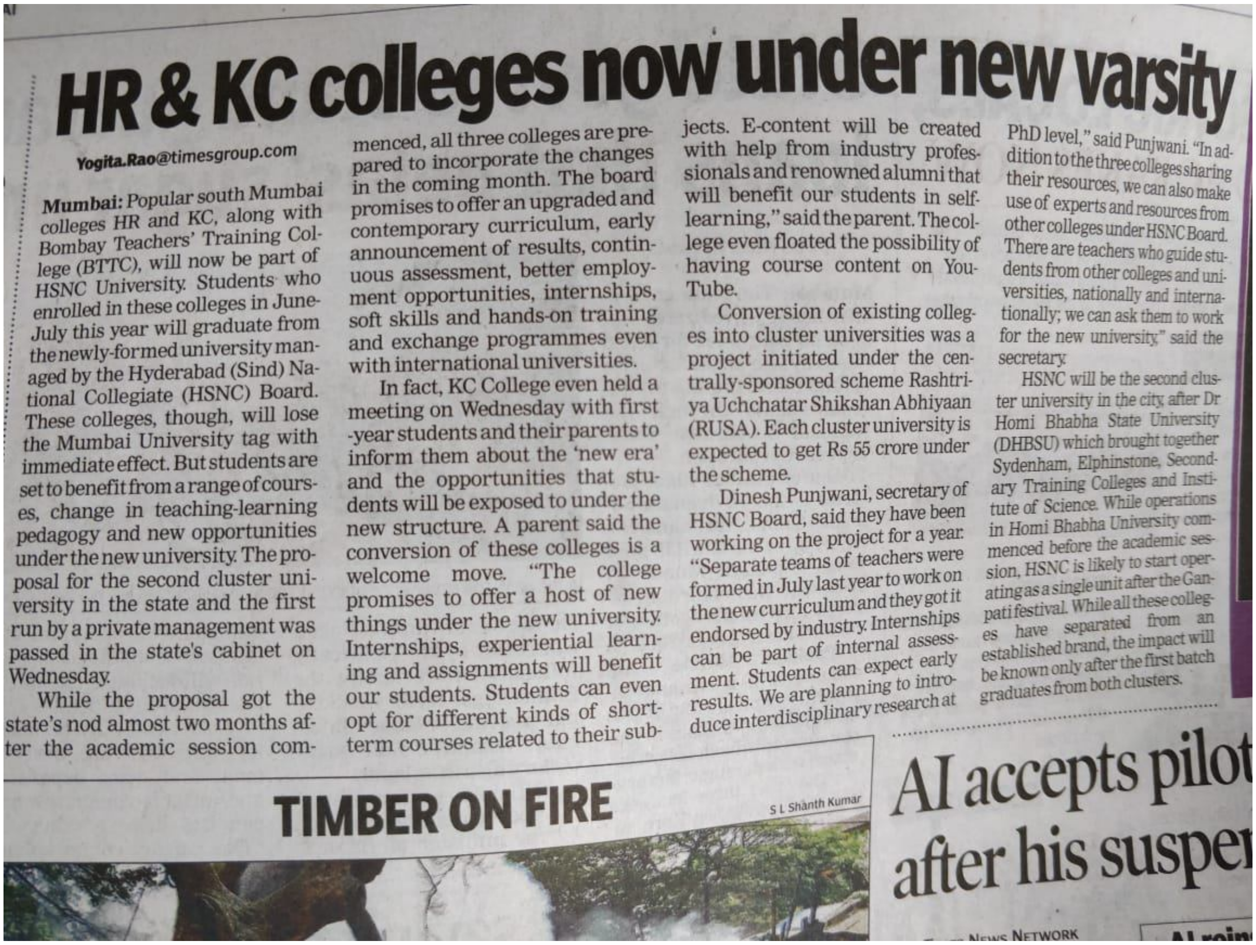

HR & KC colleges now under new varsity

Yogita.Rao@timesgroup.com

Mumbai: Popular south Mumbai colleges HR and KC, along with Bombay Teachers' Training College (BTTC), will now be part of HSNC University. Students who enrolled in these colleges in June-July this year will graduate from the newly-formed university managed by the Hyderabad (Sind) National Collegiate (HSNC) Board. These colleges, though, will lose the Mumbai University tag with immediate effect. But students are set to benefit from a range of courses, change in teaching-learning pedagogy and new opportunities under the new university. The proposal for the second cluster university in the state and the first run by a private management was passed in the state's cabinet on Wednesday.

While the proposal got the state's nod almost two months after the academic session commenced, all three colleges are prepared to incorporate the changes in the coming month. The board promises to offer an upgraded and contemporary curriculum, early announcement of results, continuous assessment, better employment opportunities, internships, soft skills and hands-on training and exchange programmes even with international universities.

In fact, KC College even held a meeting on Wednesday with first-year students and their parents to inform them about the 'new era' and the opportunities that students will be exposed to under the new structure. A parent said the conversion of these colleges is a welcome move. "The college promises to offer a host of new things under the new university. Internships, experiential learning and assignments will benefit our students. Students can even opt for different kinds of short-term courses related to their subjects. E-content will be created with help from industry professionals and renowned alumni that will benefit our students in self-learning," said the parent. The college even floated the possibility of having course content on YouTube.

Conversion of existing colleges into cluster universities was a project initiated under the centrally-sponsored scheme Rashtriya Uchchatar Shikshan Abhiyaan (RUSA). Each cluster university is expected to get Rs 55 crore under the scheme.

Dinesh Punjwani, secretary of HSNC Board, said they have been working on the project for a year. "Separate teams of teachers were formed in July last year to work on the new curriculum and they got it endorsed by industry. Internships can be part of internal assessment. Students can expect early results. We are planning to introduce interdisciplinary research at PhD level," said Punjwani. "In addition to the three colleges sharing their resources, we can also make use of experts and resources from other colleges under HSNC Board. There are teachers who guide students from other colleges and universities, nationally and internationally; we can ask them to work for the new university," said the secretary.

HSNC will be the second cluster university in the city after Dr Homi Bhabha State University (DHBSU) which brought together Sydenham, Elphinstone, Secondary Training Colleges and Institute of Science. While operations in Homi Bhabha University commenced before the academic session, HSNC is likely to start operating as a single unit after the Ganpati festival. While all these colleges have separated from an established brand, the impact will be known only after the first batch graduates from both clusters.

TIMBER ON FIRE

S L Shanth Kumar

AI accepts pilot
after his susper

News Network

शिक्षा का उद्देश्य बेहतर जीवन का निर्माण : प्रो. डॉ. रेणु जैन

चैतन्य लोक » इंदौर

dainikchaitanyalok.com

पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन शाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में चल रहे पांच दिवसीय छात्र प्रेरणा कार्यक्रम चेंज का समापन शुक्रवार को हुआ।

कार्यक्रम के समापन में विशेष अतिथि के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. डॉक्टर रेणु जैन उपस्थित रही। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं माल्यार्पण के पश्चात कुलगीत से की गई। विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुंदे द्वारा पधारे अतिथियों का सूत की माला से स्वागत किया गया। प्रोफेसर डॉ. रेणु जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मूल्यों पर आधारित शिक्षा महत्वपूर्ण है और यही हमारा कर्तव्य है कि हम मूल्य आधारित शिक्षा आपको दें। हमारी शिक्षा का उद्‌देश्य बेहतर जीवन निर्माण होना चाहिए। साथ ही आपने संस्था के मासिक पत्रक 'प्रयोग' का विमोचन भी इस दौरान किया एवं संस्था में वर्ल्ड फोटोग्राफी डे की फोटोग्राफी प्रतियोगिता में अव्वल रहे कुलदीप पंवार, विशाल त्रिपाठी, स्वतंत्र शुक्ला, वाजिद उल्लहा काजी व अन्य विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग आयुक्त पी नरहरि भी उपस्थित रहे आपने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया और डाटा माइनिंग कंपनी के बारे में जागरूक किया। इंदौर रेलवे जनसंपर्क अधिकारी जितेंद्र सिंह भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे आपने विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी, आपने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए सदैव समाज को सच्चाई दिखाने व ईमानदारी से अपना काम करने की बात कहीं। कार्यक्रम में आइट्रेनियु डायरेक्टर निशा चौहान ने मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग कमिश्नर पी नरहरि व पत्रकारिता जनसंचार अध्ययनशाला विभागाध्यक्ष डॉ सोनाली नरगुंदे को एक्सीलेंस लीडरशिप आवाज से सम्मानित किया एवं विद्यार्थियों को भविष्य में बेबाक निर्भीक पत्रकार बनने की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर कामना लाड़ द्वारा किया गया। इस दौरान संस्था के डॉ. नीलमेघ चतुर्वेदी, मनीष काले, विनोद सिंह द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुंदे द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान विभाग के सौरभ मेश्राम, नेहा रौनियार, वैभव रत्नापारखी एवं अन्य प्राध्यापक मौजूद रहे।

With best Compliments from :
Ravindranath Balloor
SKE
Shree Krishna
ENGINEERING & HYDRAULIC Co.
Specialist in Mfg. of Drilling Rig, Drilling Rod, Hammers Button Bits, Conversion of Borewall Rigs, Heavy Duty Engineering & Hydraulic Equipments & Govt. Contractor

समाज को वास्तविकता से जोड़ना ही पत्रकारिता की ज़िम्मेदारी

मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग आयुक्त पी. नरहरि ने डीएवीवी के एसजेएमसी में कहा

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

पी. नरहरि

मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग आयुक्त पी. नरहरि ने कहा कि दुनिया में जहां भी ओपिनियन मेकिंग हो रहा है डेटा की एक प्रभावी भूमिका है। कई देशों में चुनाव में भी सोशल मीडिया से लिए गए डेटा का इस्तेमाल किया जाता है। कई कंपनियां सोशल साइट्स से ये डेटा ले लती हैं। ये कंपनियां आपके फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हासिल कर लेती है। यही कारण है कि आज डेटा माइनिंग कंपनी का तेजी से प्रसार हो रहा है। वे धनवान हो रही हैं। आज समाज को वास्तविकता से जोड़ना ही पत्रकारिता की जिम्मेदारी है। यह बात उन्होंने डीएवीवी के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला के पांच दिनी इंडक्शन प्रोग्राम में शुक्रवार को कही।

आज़ अख़बार ज्यादा गहराई से विश्लेषण कर रहे हैं

दैनिक भास्कर के स्थानीय संपादक मुकेश माथुर ने कहा कि एक पत्रकार को अब अपनी स्टोरी करने के लिए 360 डिग्री पर काम करना होता है। खबरों में गंभीरता बहुत जरूरी है। आज सोशल मीडिया एक अलग दौर में है। यहां एक फेक न्यूज से किसी की जान भी जा सकती है। फेक न्यूज के कहीं सांप्रदायिक तनाव बढ़ जाता है। इसलिए ऐसी फेक न्यूज या पोस्ट नहीं डाली जाना चाहिए। अखबारों में कई बार विज्ञापन को लेकर रीडर्स के फोन आते है लेकिन अखबार के लिए यह बड़ी चुनौती होती है कि अखबार और विज्ञापनों के बीच तालमेल किस तरह बनाया रखा जा सकें। उन्होंने बताया किस तरह विज्ञापन से ही अखबार का रेवेन्यू निकलता है। आज मीडिया बदल रहा है। अखबार और टीवी चैनल से आगे बढ़कर सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर काम हो रहा है। प्रिंट मीडिया के लिए यह संक्रमण काल है। टीवी चैनलों की बाढ़ आ गई है। सनसनीखेज खबर का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है, टीआरपी पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है लेकिन समाज परिपक्व होगा तो यह स्थिति भी बदलेगी। अखबारों में तथ्यों और कंटेंट पर ज्यादा काम हो रहा है। अखबार ज्यादा गहराई से विश्लेषण कर रहे हैं।

डीएवीवी कुलपति प्रो. डॉ. रेणु जैन ने कहा कि मूल्यों पर आधारित शिक्षा महत्वपूर्ण है। हमारी शिक्षा का उद्देश्य बेहतर जीवन निर्माण होना चाहिए।आइट्रेनियु डायरेक्टर निशा चौहान ने पी. नरहरि और एसजेएमसी एचओडी डॉ सोनाली नरगुंदे को एक्सीलेंस लीडरशिप अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। प्रयोग का विमोचन किया गया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेता रहे कुलदीप पंवार, विशाल त्रिपाठी, स्वतंत्र शुक्ला, वाजिदुल्लाह काजी को पुरस्कृत किया गया।

इंदरस पब्लिकेशन प्रकाशन

न दबाव, न भेदभाव

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और रायपुर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष-16 अंक - 370 इंदौर, शनिवार 31 अगस्त, 2019 rashtriyahindimail.com पृष्ठ-08 मूल्य ₹ 3.00

3 शराबियों ने नशे के लिए की चाकूबाजी...

5 पुनर्वास विस्थापन पर नहीं है प्रदेश सरकार का ध्यान : प्रदेश...

8 एई की लापरवाही का ठीकरा कर्मचारी पर फोड़ा...

मंदी की आहट के बीच बैंकों के विलय की घोषणा

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को की प्रेस कॉन्फ्रेंस

गुवाहाटी। पिछले हफ्ते केंद्र सरकार द्वारा मंदी की खबरों के बीच उद्योग जगत को मजबूती देने के लिए की गई घोषणाओं के बाद वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए पंजाब नेशनल बैंक, यूनाइटेड बैंक और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स के विलय की घोषणा कर दी। वित्तमंत्री ने कहा कि इस विलय के बाद यह देश का दूसरा सबसे बड़ा बैंक होगा, वहीं केनरा बैंक का सिंडिकेट बैंक में विलय होगा और यह देश का चौथा बड़ा बैंक बन जाएगा। इसके अलावा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में आंध्रा बैंक और कॉर्पोरेशन बैंक का विलय होगा और यह देश का पांचवां बड़ा बैंक बनेगा।

वहीं इंडियन बैंक का इलाहाबाद बैंक में विलय होगा और यह देश का सातवां सबसे बड़ा पब्लिक सेक्टर बैंक होगा। सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के प्रभाव की जानकारी दी। उन्होंने इस दौरान सरकार के उठाए कदमों से बैंकों को हुए फायदे की जानकारी दी। वित्त मंत्री ने अपने प्रजेंटेशन में कहा कि पिछले हफ्ते लिए गए फैसलों का असर दिखने लगा है और तीन बैंक हैं। जिन्होंने अपने एनबीएफसी का समाधान निकाला है। आज जो ऐलान होने वाले हैं और इससे जीडीपी को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। हमने बैंकों और बैंकिंग सेक्टर में सुधार किया है। बैंकों को सिर्फ लिक्विडिटी नहीं देना है, बल्कि उनमें और सुधार भी करने हैं। उन्होंने यह भी कहा कि फर्जी कंपनियों को बंद किया गया है, जिनकी संख्या 3 लाख है। हम 5 ट्रिलियन इकोनॉमी की तरफ बढ़ रहे हैं। भगोड़ों और उनकी संपत्तियों के खिलाफ काम जारी रहेगा। सरकार ने कम ब्याज में ज्यादा लोन की स्कीम प्रस्तुत की थी। सरकार द्वारा अब तक उठाए गए कदमों का असर है कि बैंक एनपीए में कमी आई है। यह घटकर 7.90 लाख करोड़ रुपए ही बचा है। लोन रिकवरी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। 18 पब्लिक सेक्टर बैंकों में से 14 प्रॉफिट में हैं।

न्यूज मेल

निगम की कार्रवाई नियम अनुसार : हाई कोर्ट

इंदौर। नृसिंह बाजार के एक रहवासी कसेरा की याचिका को माननीय हाई कोर्ट ने खारिज करते हुए निगम की कार्रवाई को नियमानुसार माना। निगम के वकील ऋषि तिवारी ने पक्ष रखते हुए कहा कि निगम ने रोड चौड़ीकरण के पूर्व सभी नियमों का पालन करते हुए, याचिकर्ता को नोटिस दिए थे। सुप्रीम कोर्ट कोर्ट के फैसले में रवीन्द्र रामचन्द्र वाघमारे का हवाला देते हुए निगम निष्पक्ष कार्रवाई कर रहा। निगम का रोड चौड़ीकरण का साफ हो गया है।

नहीं बढ़ाई गई आयकर रिटर्न भरने की तारीख

आयकर विभाग ने सोशल मीडिया पर चल रही उस खबर का शुक्रवार को खंडन किया, जिसमें आयकर रिटर्न भरने की तारीख एक महीना बढ़ाने की बात थी। बकौल विभाग, तारीख बढ़ाकर 30 सितंबर 2019 किए जाने वाला वायरल हो रहा आदेश फर्जी है और करदाता 31 अगस्त 2019 तक अपना आयकर रिटर्न अवश्य भर दें।

सिंधिया की नाराजगी पर कमलनाथ ने दी सफाई...

भोपाल। प्रदेश अध्यक्ष नहीं बनाए जाने से मध्यप्रदेश के कद्दावर नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया नाराज बताए जा रहे हैं। मप्र में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर लगातार घमासान जारी है। खबरें हैं कि सिंधिया ने पार्टी छोड़ने की धमकी दी है। इसके बाद मुख्यमंत्री नाथ को सफाई देने के लिए आगे आना पड़ा। इस खींचतान के बीच शुक्रवार को सीएम के श्री नाथ ने सोनिया गांधी से दिल्ली में मुलाकात की। मुलाकात के बाद श्री सिंधिया की नाराजगी पर सफाई देते हुए कहा कि सिंधिया न तो नाराज हैं और न ही उन्होंने पार्टी छोड़ने की कोई चेतावनी दी है। इससे पहले खबर आई थी कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर कांग्रेस आलाकमान को अल्टीमेटम दिया था। सूत्रों का कहना है कि सिंधिया कई भाजपा नेताओं के संपर्क में हैं। ऐसे में उन्होंने अध्यक्ष के पद को लेकर पार्टी आलाकमान को अल्टीमेटम दिया है। हालांकि, सिंधिया के सोनिया गांधी को दिए अल्टीमेटम की खबरों को मंत्री पीसी शर्मा ने निराधार बताया था।

मंथन के मोती

जिंदगी एक कविता है,
गुनगुनाते रहिये,
मुश्किलें हो लाख,
फिर भी मुसकराते
रहिये...

ब्रह्माकुमारी आरती दीदी
(इंदौर झोन इंचार्ज)

कश्मीर में पत्थरबाजी शुरू : सरकार ने लिया कड़ा एक्शन, अलर्ट पर सेना

जैसे-जैसे हालात सुधरते जाएंगे, वैसे-वैसे प्रतिबंधों में दी जाएगी छूट

श्रीनगर में हालात अभी भी सामान्य नहीं हैं। असामान्य स्थितियों के चलते श्रीनगर में शुक्रवार को जामिया मस्जिद समेत राजधानी की कई बड़ी मस्जिदों में नमाज अदा करने पर रोक लगा दी गई है। नमाज अदा करने के लिए लोगों से अपील की गई है कि वे अपने घरों के आसपास की मस्जिदों में ही नमाज अदा करें। शुक्रवार को जुम्मे की नमाज अदा होने से पहले ही कश्मीर के कई स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही कई जगहों पर बैरिकेड और नुकीले तारों से घेरा बना दिया गया है। इसके अलावा कश्मीर में दुकानें बंद हैं और इंटरनेट सेवाएं भी बाधित हैं। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि कश्मीर में स्थिति शांतिपूर्ण है, लेकिन किसी भी तरह की अप्रिय घटना को टालने और कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कई संवेदनशील इलाकों में प्रतिबंध लगाए गए हैं। जैसे-जैसे हालात सुधरते जाएंगे, वैसे-वैसे प्रतिबंधों में छूट दी जाएगी। पुलिस अधिकारी के अनुसार, छोटे और कॉलोनी के मस्जिदों में जुमे की नमाज पढ़ने की इजाजत दी जाएगी।

'बदलते दौर के अनुरूप युवा अपने-आपको करें तैयार...'

इंदौर। वर्तमान युग में मीडिया का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बाद डिजिटल और सोशल मीडिया का महत्व बढ़ रहा है। युवाओं को अपने-आप को बदलते दौर के अनुरूप तैयार करना होगा। आज के डिजिटल युग में डेटा का महत्व बढ़ गया है। विश्व में अनेक डेटा कम्पनियां तेल कम्पनियों से आगे निकल गई हैं। यह बात प्रदेश के जनसम्पर्क आयुक्त पी. नरहरि ने जर्नलिज्म के विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए इंदौर में कही।

श्री नरहरि आज यहां देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन के नवागत विद्यार्थियों को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर श्री नरहरि को आवर्तनम् टेक्नालॉजी इंदौर द्वारा लीडरशिप अवार्ड प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन की डायरेक्टर डॉ. सोनाली नरगुन्दे तथा आवर्तनम् टेक्नालॉजी इंदौर की डायरेक्टर सुश्री नीता चौहान विशेष रूप से मौजूद थीं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पी. नरहरि ने विद्यार्थियों को भविष्य के लिये शुभकामनाएं दी और कहा कि मीडिया के क्षेत्र में कॅरियर की अपार संभावनाएं हैं। मीडिया का महत्व दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मीडिया का स्वरूप बदल रहा है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बाद डिजिटल और सोशल मीडिया का विश्व में तेजी से विस्तार हो रहा है। डिजिटल युग में डेटा का महत्व बढ़ गया है। अनेक डेटा कम्पनियां विश्व में तेल कम्पनियों से आगे निकल गई हैं। लोकतंत्र में जनमत तैयार करने में मीडिया की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के लिये डेटा माइनिंग और कन्टेंट क्रिएशन की अहम भूमिका है। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे समय के अनुसार अपने-आप को अपडेट करें। अपने व्यक्तित्व तथा खूबियों का सकारात्मक उपयोग कर सिस्टम में अपनी उपयोगिता साबित करें। जीवन में अपने मित्रों के प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि सहयोगी बनें। अपने मित्रों को गलतियां बताएं, जिससे कि वे उसे सुधार सकें।

मुकेश अंबानी बोले- अमित भाई आप वाकई में सच्चे कर्मयोगी हैं...

पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में की तारीफ

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के फैसले को मोदी सरकार के एक अहम और ऐतिहासिक फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। इस फैसले को लेकर जहां बसपा, टीडीपी, और आम आदमी पार्टी जैसे विपक्ष के कई दलों ने सरकार का समर्थन किया है, वहीं कांग्रेस की तरफ से सदन में इस फैसले का विरोध करने के बावजूद उसके कई नेताओं ने मोदी सरकार के कदम को सही ठहराया है। अब रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने भी जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को लेकर गृहमंत्री अमित शाह की तारीफ की है। मुकेश अंबानी ने अमित शाह को भारत का लौह पुरुष बताया है। गुजरात के गांधीनगर में आयोजित पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में मुकेश अंबानी ने गृहमंत्री शाह की तारीफ करते हुए कहा, अमित भाई, आप एक सच्चे कर्मयोगी हैं।

इस खतरनाक बीमारी में दवाई लेने की बजाय करें बीयर का सेवन

शराब को सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता है, लेकिन एक शोध में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ जो बियर पीने वालों के लिए काफी अच्छी है। एक नए अध्ययन के अनुसार दर्द होने पर पेरासिटामोल खाने की बजाय दो पॉइंट बियर से 25 परसेंट अधिक राहत मिलती है। ग्रीनविच विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने 400 से अधिक लोगों पर कुल 18 अध्ययन किए हैं, जिनमें पता चला है की दो पॉइंट बियर पीने से दर्द में 25 परसेंट तक राहत मिलती है। एक रिसर्च के अनुसार, निष्कर्ष बताते हैं कि शराब एक प्रभावी एनाल्जेसिक है, जो दर्द को तेजी से कम करने में मदद करता है। बीयर दर्द को नैदानिक रूप से प्रासंगिक कम कर देता है।

पाकिस्तान में जबरन धर्म परिवर्तन के मामलों में तेजी

ताजा मामला सिक्ख समुदाय से जुड़ा है... 370 के समर्थक अब जवाब दें

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर से हरियाणा के लड़कों के लिए बहू लाने की जो बात मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कही थी उसे भी पाकिस्तान ने यूएन में की गई शिकायत का आधार बनाया है। चूंकि अनुच्छेद 370 की वजह से जम्मू-कश्मीर में अनेक पाबंदियां लगी हुई थी, इसलिए स्थानीय लड़कियों का विवाह दूसरे राज्यों के लड़कों से मुश्किल था

अब पाबंदियां हट गई हैं, इसलिए जम्मू-कश्मीर की लड़कियां भी भारतीय कानून के अनुरूप विवाह कर सकती हैं। इसी संदर्भ में खट्टर ने अपनी बात कही थी, लेकिन पाकिस्तान ने इसे तोड़-मरोड़ कर यूएन में पेश किया है, लेकिन इस बीच पाकिस्तान में हिन्दू लड़कियों के जबरन धर्म परिवर्तन करवाने के मामलों में तेजी आ गई है। 30 अगस्त को ही पाकिस्तान में लाहौर के निकट ननकाना साहिब में एक सिक्ख परिवार की 20 साल की लड़की को जबरन ले जाने और फिर मुसलमान बनाकर निकाह करने का मामला प्रकाश में आया है। जबरन धर्म परिवर्तन के वीडियो भी जारी हुए हैं।

जुल्मों की नहीं है कोई फिक्र

भारत में जो राजनीतिक दल अभी अनुच्छेद 370 के हिमायती बने हुए हैं, उन्हें पाकिस्तान में हो रहे जबरन धर्म परिवर्तन पर जवाब देना चाहिए। ऐसे दलों के नेताओं को कश्मीर घाटी में लगी पाबंदियों की तो चिंता है, लेकिन पाकिस्तान में हिन्दुओं पर हो रहे जुल्मों की कोई फिक्र नहीं है।

अभी काम, बाद में भुगतान फार्मूला लाई मप्र सरकार...

भोपाल। मंदी संकट के समय विकास परियोजनाओं को पटरी पर लाने के लिए मप्र सरकार ने नया उपाय निकाला है। सरकार इसके तहत अभी काम करें, बाद में भुगतान लें, योजना लागू करने जा रही है। कमलनाथ सरकार को विकास योजनाओं का वित्तपोषित करना मुश्किल हो रहा है और वह इससे निपटने के लिए सरकार इस विचार के साथ आई है। इस योजना के तहत सरकार फर्मों को प्रारंभिक स्तर पर विकास की लागत का एक प्रतिशत भुगतान करेगी और कुछ वर्षों के बाद बाकी का भुगतान करेगी। बाद का भुगतान ब्याज के साथ किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि इस योजना के तहत शहरी गरीबों के लिए आवास में सरकार पहले मॉडल तैयार करेगी।

टालमटोल... खराब आवाज के बाद अब रंग निकलने लगा... नहीं हो रही उपभोक्ता की समस्या का निराकरण

मारुति की सबसे प्रीमियम कार सियाज में 15 दिन बाद ही आने लगी शिकायत

इंदौर। मारुति की सबसे प्रीमियम कार सियाज में 15 दिन बाद ही शिकायतें आने लगी थी। उपभोक्ता द्वारा कंपनी को अवगत कराने के बाद कंपनी और डीलर के प्रतिनिधि द्वारा उपभोक्ता को समझाकर समय खराब करने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण सेवा नहीं दी जा रही है।

देश की सबसे प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी की सबसे प्रीमियम कार मारुति सियाज खरीदना एक उपभोक्ता को महंगा पड़ गया। दरअसल राम बलराम नगर सिरपुर निवासी चंद्रशेखर जोशी ने अगस्त 2018 में पीथमपुर स्थित मारुति के डीलर सफायर मोटर्स से एक सियाज कार खरीदी। लगभग साढ़े 10 लाख कीमत की इस कार में 15 दिन बाद सिटी बजने की आवाज आई। लगातार सिटी बजने की शिकायत कंपनी को करने के बाद कंपनी ने सियाज कार का टर्बो बदल दिया तथा साथ ही यह भी कहा गया कि अब कभी कोई शिकायत नहीं आएगी, लेकिन इसके कुछ दिन बाद कार के पिछले बंपर में रंग निकलने लगा। उपभोक्ता द्वारा फिर शिकायत की गई तो कंपनी के एक्सपर्ट ने उसे दुर्घटना में निकला हुआ रंग बता दिया। उसके कुछ समय बाद अब गाड़ी के अगले बंपर में भीतर की तरफ से रंग की पुट्टी में दरारें पड़ रही है, जिसे हाथ दबाने पर वह निकल सकती है। उपभोक्ता का कहना है कि साढ़े 10 लाख रुपए देने के बाद भी पुरानी कार- का मरम्मत की हुई कार चलाना पड़ रहा है। कंपनी द्वारा सुनवाई नहीं होने पर अब वे उपभोक्ता फोरम में केस लगाने की तैयारी कर रहे हैं। उस समय भी उपभोक्ता ने गाड़ी बदलने के लिए कहा तो कंपनी ने आश्वासन कराया कि अब कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन एक माह बाद गाड़ी का पेंट निकल गया। इसकी शिकायत की तो जांच करने दिल्ली से कंपनी के विशेषज्ञ आए, जिन्होंने उपभोक्ता की गलती बताकर उसे टाल दिया। उसके बाद हाल ही में अगले बंपर में भीतर की तरफ से रंग निकलने की शिकायत आई, तो उपभोक्ता ने फिर इसकी शिकायत की है। अब फिर कंपनी के एक्सपर्ट से जांच करवाने की बात कही जा रही है। उधर उपभोक्ता का कहना है कि उन्होंने साढ़े 10 लाख रुपए खर्च कर नई कार ली, लेकिन उन्हें ऐसा लग रहा है कि वे पुरानी मारुति सियाज चला रहे हैं।

जल्द ही शिकायत का निराकरण कर देंगे

पहले की शिकायत के बाद हमने एक्सपर्ट को दिखाया था अब हमने कल तक का समय मांगा है, कल सुबह हमारे एक्सपर्ट चेक कर लेंगे उसके बाद जो भी उचित होगा किया जाएगा।

अमित पैन्यूल- टेरिटरी मैनेजर (इंदौर क्षेत्र) मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड।

समाज को वास्तविकता से जोड़ना ही पत्रकारिता की ज़िम्मेदारी

मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग आयुक्त पी. नरहरि ने डीएवीवी के एसजेएमसी में कहा

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

पी. नरहरि

मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग आयुक्त पी. नरहरि ने कहा कि दुनिया में जहां भी ओपिनियन मेकिंग हो रहा है डेटा की एक प्रभावी भूमिका है। कई देशों में चुनाव में भी सोशल मीडिया से लिए गए डेटा का इस्तेमाल किया जाता है। कई कंपनियां सोशल साइट्स से ये डेटा ले लती हैं। ये कंपनियां आपके फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हासिल कर लेती है। यही कारण है कि आज डेटा माइनिंग कंपनी का तेजी से प्रसार हो रहा है। वे धनवान हो रही हैं। आज समाज को वास्तविकता से जोड़ना ही पत्रकारिता की जिम्मेदारी है। यह बात उन्होंने डीएवीवी के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला के पांच दिनी इंडक्शन प्रोग्राम में शुक्रवार को कही।

आज अख़बार ज्यादा गहराई से विश्लेषण कर रहे हैं

दैनिक भास्कर के स्थानीय संपादक मुकेश माथुर ने कहा कि एक पत्रकार को अब अपनी स्टोरी करने के लिए 360 डिग्री पर काम करना होता है। खबरों में गंभीरता बहुत जरूरी है। आज सोशल मीडिया एक अलग दौर में है। यहां एक फेक न्यूज से किसी की जान भी जा सकती है। फेक न्यूज के कहीं सांप्रदायिक तनाव बढ़ जाता है। इसलिए ऐसी फेक न्यूज या पोस्ट नहीं डाली जाना चाहिए। अखबारों में कई बार विज्ञापन को लेकर रीर्डस के फोन आते है लेकिन अखबार के लिए यह बड़ी चुनौती होती है कि अखबार और विज्ञापनों के बीच तालमेल किस तरह बनाया रखा जा सकें। उन्होंने बताया किस तरह विज्ञापन से ही अखबार का रेवेन्यू निकलता है। आज मीडिया बदल रहा है। अखबार और टीवी चैनल से आगे बढ़कर सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर काम हो रहा है। प्रिंट मीडिया के लिए यह संक्रमण काल है। टीवी चैनलों की बाढ़ आ गई है। सनसनीखेज खबर का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है, टीआरपी पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है लेकिन समाज परिपक्व होगा तो यह स्थिति भी बदलेगी। अखबारों में तथ्यों और कंटेंट पर ज्यादा काम हो रहा है। अखबार ज्यादा गहराई से विश्लेषण कर रहे हैं।

डीएवीवी कुलपति प्रो. डॉ. रेणु जैन ने कहा कि मूल्यों पर आधारित शिक्षा महत्वपूर्ण है। हमारी शिक्षा का उद्देश्य बेहतर जीवन निर्माण होना चाहिए।आइट्रेनियु डायरेक्टर निशा चौहान ने पी. नरहरि और एसजेएमसी एचओडी डॉ सोनाली नरगुंदे को एक्सीलेंस लीडरशिप अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। प्रयोग का विमोचन किया गया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेता रहे कुलदीप पंवार, विशाल त्रिपाठी, स्वतंत्र शुक्ला, वाजिदुल्लाह काजी को पुरस्कृत किया गया।

वास्तविकता से समाज को जोड़ना ही पत्रकारिता की जिम्मेदारी : नरहरि

छात्र प्रेरणा कार्यक्रम चेंज का समापन

इंदौर. पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन शाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में चल रहे पांच दिवसीय छात्र प्रेरणा कार्यक्रम चेंज का शुक्रवार को समापन हुआ. समापन में विशेष अतिथि के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. डॉक्टर रेणु जैन उपस्थित रही.

कार्यक्रम में मप्र जनसंपर्क विभाग आयुक्त पी. नरहरि ने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया और डाटा माइनिंग कंपनी के बारे में जागरूक किया. उन्होंने कहा कि एक समय था जब दुनिया में केवल तेल कंपनियां ही धनाढ्य हुआ करती थी लेकिन आज आईटी सेक्टर की डेटा माइनिंग कंपनियां इन्हें पछाड़ चुकी है. दुनिया में जहां भी ओपिनियन मेकिंग हो रहा है उस डेटा में इंफ्लुएंश होता है. कई देशों में चुनाव में भी इसका प्रयोग किया जाता है यह डेटा यह कंपनियां हमारे सोशल मीडिया अकाउंट से लेती है. आज दुनिया में डेटा माइनिंग कंपनी का तेजी से प्रसार हो रहा है. आपने सोशल मीडिया की उपयोगिता जरूरी बताते हुए बताया कि किस प्रकार जनसंपर्क विभाग में अपने विभागों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शुरू किया और स्वयं भी फेसबुक पेज के माध्यम से युवाओं के बीच बने हुए हैं क्योंकि तकनीकी के साथ तालमेल बनाकर ही हम बेहतर जनसंचार कर सकते हैं. पत्रकारिता प्रोफेशन के विषय पर आप ने विद्यार्थियों को बताया कि यह रिसर्च और एनालिसिस की फील्ड है जिसमें हमें हर क्यों की जांच करनी होती है. पत्रकारिता एक बहुआयामी क्षेत्र है. वास्तविकता से समाज को जोड़ना ही पत्रकारिता की जिम्मेदारी है.

लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें : डॉ. जैन

कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर रेणु जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मूल्यों पर आधारित शिक्षा महत्वपूर्ण है और यही हमारा कर्तव्य है कि हम मूल्य आधारित शिक्षा आपको दें. हमारी शिक्षा का उद्देश बेहतर जीवन निर्माण होना चाहिए, आपने कहा कि हमारा जीवन व्यर्थ ना हो इसलिए हमें अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करके आगे बढ़ना होगा. साथ ही आपने संस्था के मासिक पत्रक प्रयोग का विमोचन भी इस दौरान किया. संस्था में वर्ल्ड फोटोग्राफी डे की फोटोग्राफी प्रतियोगिता में अव्वल रहे कुलदीप पंवार, विशाल त्रिपाठी, स्वतंत्र शुक्ला, वाजिद उल्ला काजी व अन्य विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया.

समाज को सच्चाई दिखाएं

इंदौर रेलवे जनसंपर्क अधिकारी जितेंद्र सिंह भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे आपने विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी, उन्होंने सदैव समाज को सच्चाई दिखाने व ईमानदारी से अपना काम करने की बात कहीं. वरिष्ठ पत्रकार मुकेश माथुर ने कहा कि मीडिया बदल रहा है. अखबार टीवी चैनल से आगे बढ़कर सोशल मीडिया व्हाट्सएप पर काम हो रहा है. प्रिंट मीडिया के लिए संक्रमण काल चल रहा है. अखबार के लिए बहुत सारी चीजें बदल रही है. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भी सनसनीखेज खबर का ट्रेंड तेजी से बड़ा है. वेबदुनिया से उपस्थित स्मृति जोशी ने विद्यार्थियों को पत्रकार बनने के लिए अपनी मन: स्थिति और भाषा परिपक्व करने की बात कही. उन्होंने कहा पत्रकारिता एक ऐसा पेशा है जिसमें मेहनत का फल हमेशा मिलता है इसलिए आप कभी रुको मत और हमेशा निराशा से दूर रहो.

एक्सीलेंस लीडरशिप आवार्ड से किया सम्मानित

कार्यक्रम में आइट्रेनियु डायरेक्टर निशा चौहान ने मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग कमिश्नर पी नरहरि व पत्रकारिता जनसंचार अध्ययनशाला विभागाध्यक्ष डॉ सोनाली नरगुंदे को एक्सीलेंस लीडरशिप आवाज से सम्मानित किया एवं विद्यार्थियों को भविष्य में बेबाक निर्भीक पत्रकार बनने की शुभकामनाएं दी. संचालन डॉक्टर कामना लाड़ द्वारा किया गया. इस दौरान संस्था के डॉक्टर नीलमेघ चतुर्वेदी मनीष काले विनोद सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया गया. विभागाध्यक्ष डॉ सोनाली नरगुंदे ने आभार माना. इस दौरान विभाग के सौरभ मेश्राम नेहा रैनियार वैभव रखापारखी एवं अन्य प्राध्यापक मौजूद रहें.

स्वदेश, इंदौर 31 AUG 2019

ढलते दौर के अनुरूप युवा अपने को तैयार करें-पी. नरहरि

कुलपति ने कहा-शिक्षा का उद्देश्य बेहतर जीवन का निर्माण होना चाहिए

इन्दौर ● स्वदेश समाचार

वर्तमान युग में मीडिया का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बाद डिजिटल और सोशल मीडिया का महत्व बढ़ रहा है। युवाओं को अपने-आपको बदलते दौर के अनुरूप तैयार करना होगा।

यह बात प्रदेश के जनसम्पर्क आयुक्त पी. नरहरि ने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए इंदौर में कही। मौका था देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के तक्षशिला परिसर स्थित स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मॉस कम्यूनिकेशन के नवागत विद्यार्थियों को संबोधित करने का। इस विभाग में पांच दिनी इंडक्शन कार्यक्रम के अंतिम दिन के मुख्य अतिथि आयुक्त श्री नरहरि ने विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और कहा कि मीडिया के क्षेत्र में कैरियर की अपार संभावनाएं हैं। मीडिया का महत्व दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मीडिया का स्वरूप बदल रहा है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बाद डिजिटल और सोशल मीडिया का विश्व में तेजी से विस्तार हो रहा है। लोकतंत्र में जनमत तैयार करने में मीडिया की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के लिए डेटा माइनिंग और कन्टेंट क्रिएशन की अहम भूमिका है। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे समय के अनुसार अपने-आप को अपडेट करें।

इस मौके पर विवि की कुलपति डॉ. रेणु जैन ने पांच दिवसीय छात्र प्रेरणा कार्यक्रम 'चेंज' के समापन में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित होकर मां सरस्वती का पूजन-माल्यार्पण किया। विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुंदे ने श्री नरहरि और कुलपति का स्वागत किया। कुलपति प्रो. जैन ने अपनी बात रखते हुए नवप्रवेशित विद्यार्थियों से कहा कि हमारी शिक्षा का उद्देश्य बेहतर जीवन का निर्माण होना चाहिए। विभाग में पहली बार पहुंची कुलपति ने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, आप हमारे विवि का नाम रोशन करो और अपने निश्चित लक्ष्य की प्राप्ति भी करो।

कार्यक्रम में संपादक मुकेश माथुर ने भी मौजूदगी दिखाते हुए विद्यार्थियों को पत्रकारिता में हो रहे बदलाव से अवगत कराया। रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी जितेंद्रसिंह जयंत ने भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। अंतिम दिन के कार्यक्रम का संचालन डॉ. कामना लाड़ ने किया। विभागाध्यक्ष डॉ. नरगुंदे ने सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रयोग का विमोचन

विभाग की ओर से मासिक पत्रक 'प्रयोग' का विमोचन इस दौरान किया गया। दोनों अतिथियों ने विमोचन के साथ ही संस्था की ओर से वर्ल्ड फोटोग्राफी डे पर कराई गई स्पर्धा में अव्वल रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

चौथा संसार, इंदौर 31 AUG 2019

बदलते दौर के अनुरूप युवा अपने-आप को तैयार करें-पी नरहरि

वर्तमान समय में डिजिटल और सोशल मीडिया का महत्व बढ़ रहा है

इंदौर। वर्तमान युग में मीडिया का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बाद डिजिटल और सोशल मीडिया का महत्व बढ़ रहा है। युवाओं को अपने-आप को बदलते दौर के अनुरूप तैयार करना होगा। आज के डिजिटल युग में डेटा का महत्व बढ़ गया है। विश्व में अनेक डेटा कम्पनियां तेल कम्पनियों से आगे निकल गई हैं। यह बात प्रदेश के जनसम्पर्क आयुक्त श्री पी. नरहरि ने जर्नलिज्म के विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए इंदौर में कही।

नरहरि शुक्रवार को यहां देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एण्ड मॉस कम्यूनिकेशन के नवागत विद्यार्थियों को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर श्री नरहरि को आयट्रेनयू टेक्नालॉजी इंदौर द्वारा लीडरशीप अवार्ड प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एण्ड मॉस कम्यूनिकेशन की डायरेक्टर डॉ. सोनाली नरगुन्दे तथा आयट्रेनयू टेक्नालॉजी इंदौर की डायरेक्टर सुश्री नीशा चौहान विशेष रूप से मौजूद थीं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री पी. नरहरि ने विद्यार्थियों को भविष्य के लिये शुभकामनाएं दी और कहा कि मीडिया के क्षेत्र में केरियर की अपार संभावनाएं हैं। मीडिया का महत्व दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मीडिया का स्वरूप बदल रहा है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बाद डिजिटल और सोशल मीडिया का विश्व में तेजी से विस्तार हो रहा है। डिजिटल युग में डेटा का महत्व बढ़ गया है। अनेक डेटा कम्पनियां विश्व में तेल कम्पनियों से आगे निकल गई हैं। लोकतंत्र में जनमत तैयार करने में मीडिया की अहम भूमिका होती है। उन्होंनि कहा कि जीवन में सफलता के लिये डेटा माइनिंग और कन्टेंट क्रिएशन की अहम भूमिका है। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे समय के अनुसार अपने-आप को अपडेट करें। अपने व्यक्तित्व तथा खुबियों का सकारात्मक उपयोग कर सिस्टम में अपनी उपयोगिता साबित करें। जीवन में अपने मित्रों के प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि सहयोगी बनें। अपने मित्रों की गलतियां बतायें, जिससे कि वे उसे सुधार सकें। सकारात्मक भाव से एक-दूसरे का सहयोग करें। जीवन में अपने विषयों में पारंगत होयें। जीवन के आदर्श और मूल्यों को खोये नहीं, बल्कि उसे खूबी बनाकर कार्य करें। परिस्थितियों से समझौता नहीं करें, संघर्ष कर जीवन में अपने मुकाम को हासिल करें।

पिपुल्स समाचार, इंदौर 31 AUG 2019

स्कूल ऑफ जर्नलिज्म में नए छात्रों का स्वागत कार्यक्रम

डिजिटल और सोशल मीडिया का बढ़ रहा महत्व : पी. नरहरि

पीपुल्स संवाददाता ● इंदौर

मो.नं. 9826428274

डीएवीवी में आयोजित कार्यक्रम में पी. नरहरि को लीडरशिप अवॉर्ड प्रदान किया गया।

वर्तमान युग में मीडिया का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बाद डिजिटल और सोशल मीडिया का महत्व बढ़ रहा है। युवाओं को अपने आपको बदलते दौर के अनुरूप तैयार करना होगा। आज के डिजिटल युग में डेटा का महत्व बढ़ गया है। विश्व में अनेक डेटा कंपनियां तेल कंपनियों से आगे निकल गई हैं। यह बात प्रदेश के जनसंपर्क आयुक्त ने जर्नलिज्म के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। वे स्कूल ऑफ जर्नलिज्म के नए विद्यार्थियों के स्वागत कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मॉस कम्युनिकेशन के नवागत विद्यार्थियों का स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि बतौर जनसंपर्क आयुक्त पी. नरहरि शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि मीडिया के क्षेत्र में कॅरियर की अपार संभावनाएं हैं। मीडिया का महत्व दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मीडिया का स्वरूप बदल रहा है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बाद डिजिटल और सोशल मीडिया का विश्व में तेजी से विस्तार हो रहा है। लोकतंत्र में जनमत तैयार करने में मीडिया की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के लिए डेटा माइनिंग और कंटेंट क्रिएशन की अहम भूमिका है।

उन्होंने युवाओं से कहा कि वे समय के अनुसार अपने आपको अपडेट करें। जीवन में अपने मित्रों के प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी बनें। अपने मित्रों की गलतियां बताएं, जिससे कि वे उसे सुधार सकें। सकारात्मक भाव से एक-दूसरे का सहयोग करें। जीवन में अपने विषयों में पारंगत हों। जीवन के आदर्श और मूल्यों को खोएं नहीं, बल्कि उसे खूबी बनाकर कार्य करें। परिस्थितियों से समझौता नहीं करें, संघर्ष कर जीवन में अपने मुकाम को हासिल करें।

नरहरि को आयट्रेनयू टेक्नोलॉजी लीडरशिप अवॉर्ड सम्मान

इस अवसर पर नरहरि को आयट्रेनयू टेक्नोलॉजी इंदौर द्वारा लीडरशीप अवॉर्ड प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मॉस कम्युनिकेशन की डायरेक्टर डॉ. सोनाली नरगुंदे तथा आयट्रेनयू टेक्नोलॉजी इंदौर की डायरेक्टर निशा चौहान विशेष रूप से मौजूद थीं।

दैनिक भास्कर, इंदौर 31 AUG 2019

समाज को वास्तविकता से जोड़ना ही पत्रकारिता की ज़िम्मेदारी

मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग आयुक्त पी. नरहरि ने डीएवीवी के एसजेएमसी में कहा

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

पी. नरहरि

मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग आयुक्त पी. नरहरि ने कहा कि दुनिया में जहां भी ओपिनियन मेकिंग हो रहा है डेटा की एक प्रभावी भूमिका है। कई देशों में चुनाव में भी सोशल मीडिया से लिए गए डेटा का इस्तेमाल किया जाता है। कई कंपनियां सोशल साइट्स से ये डेटा ले लती हैं। ये कंपनियां आपके फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हासिल कर लेती है। यही कारण है कि आज डेटा माइनिंग कंपनी का तेजी से प्रसार हो रहा है। वे धनवान हो रही हैं। आज समाज को वास्तविकता से जोड़ना ही पत्रकारिता की जिम्मेदारी है। यह बात उन्होंने डीएवीवी के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला के पांच दिनी इंडक्शन प्रोग्राम में शुक्रवार को कही।

आज अखबार ज्यादा गहराई से विश्लेषण कर रहे हैं

दैनिक भास्कर के स्थानीय संपादक मुकेश माथुर ने कहा कि एक पत्रकार को अब अपनी स्टोरी करने के लिए 360 डिग्री पर काम करना होता है। खबरों में गंभीरता बहुत जरूरी है। आज सोशल मीडिया एक अलग दौर में है। यहां एक फेक न्यूज से किसी की जान भी जा सकती है। फेक न्यूज के कहीं सांप्रदायिक तनाव बढ़ जाता है। इसलिए ऐसी फेक न्यूज या पोस्ट नहीं डाली जाना चाहिए। अखबारों में कई बार विज्ञापन को लेकर रीडर्स के फोन आते है लेकिन अखबार के लिए यह बड़ी चुनौती होती है कि अखबार और विज्ञापनों के बीच तालमेल किस तरह बनाया रखा जा सकें। उन्होंने बताया किस तरह विज्ञापन से ही अखबार का रेवेन्यू निकलता है। आज मीडिया बदल रहा है। अखबार और टीवी चैनल से आगे बढ़कर सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर काम हो रहा है। प्रिंट मीडिया के लिए यह संक्रमण काल है। टीवी चैनलों की बाढ़ आ गई है। सनसनीखेज खबर का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है, टीआरपी पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है लेकिन समाज परिपक्व होगा तो यह स्थिति भी बदलेगी। अखबारों में तथ्यों और कंटेंट पर ज्यादा काम हो रहा है। अखबार ज्यादा गहराई से विश्लेषण कर रहे हैं।

डीएवीवी कुलपति प्रो. डॉ. रेणु जैन ने कहा कि मूल्यों पर आधारित शिक्षा महत्वपूर्ण है। हमारी शिक्षा का उद्देश्य बेहतर जीवन निर्माण होना चाहिए।आइट्रेनियु डायरेक्टर निशा चौहान ने पी. नरहरि और एसजेएमसी एचओडी डॉ सोनाली नरगुंदे को एक्सीलेंस लीडरशिप अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। प्रयोग का विमोचन किया गया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेता रहे कुलदीप पंवार, विशाल त्रिपाठी, स्वतंत्र शुक्ला, वाजिदुल्लाह काजी को पुरस्कृत किया गया।

नवभारत, इंदौर 31 AUG 2019

वास्तविकता से समाज को जोड़ना ही पत्रकारिता की जिम्मेदारी : नरहरि

छात्र प्रेरणा कार्यक्रम चेंज का समापन

इंदौर. पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन शाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में चल रहे पांच दिवसीय छात्र प्रेरणा कार्यक्रम चेंज का शुक्रवार को समापन हुआ. समापन में विशेष अतिथि के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. डॉक्टर रेणु जैन उपस्थित रही.

कार्यक्रम में मप्र जनसंपर्क विभाग आयुक्त पी. नरहरि ने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया और डाटा माइनिंग कंपनी के बारे में जागरूक किया. उन्होंने कहा कि एक समय था जब दुनिया में केवल तेल कंपनियां ही धनाड्य हुआ करती थी लेकिन आज आईटी सेक्टर की डेटा माइनिंग कंपनियां इन्हें पछाड़ चुकी है. दुनिया में जहां भी ओपिनियन मेकिंग हो रहा है उस डेटा में इंफ्लुएंश होता है. कई देशों में चुनाव में भी इसका प्रयोग किया जाता है यह डेटा यह कंपनियां हमारे सोशल मीडिया अकाउंट से लेती है. आज दुनिया में डेटा माइनिंग कंपनी का तेजी से प्रसार हो रहा है. आपने सोशल मीडिया की उपयोगिता जरूरी बताते हुए बताया कि किस प्रकार जनसंपर्क विभाग में अपने विभागों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शुरू किया और स्वयं भी फेसबुक पेज के माध्यम से युवाओं के बीच बने हुए हैं क्योंकि तकनीकी के साथ तालमेल बनाकर ही हम बेहतर जनसंचार कर सकते हैं. पत्रकारिता प्रोफेशन के विषय पर आप ने विद्यार्थियों को बताया कि यह रिसर्च और एनालिसिस की फील्ड है जिसमें हमें हर क्यों की जांच करनी होती है. पत्रकारिता एक बहुआयामी क्षेत्र है. वास्तविकता से समाज को जोड़ना ही पत्रकारिता की जिम्मेदारी है.

लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें : डॉ. जैन

कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर रेणु जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मूल्यों पर आधारित शिक्षा महत्वपूर्ण है और यही हमारा कर्तव्य है कि हम मूल्य आधारित शिक्षा आपको दें. हमारी शिक्षा का उद्देश बेहतर जीवन निर्माण होना चाहिए.आपने कहा कि हमारा जीवन व्यर्थ ना हो इसलिए हमें अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करके आगे बढ़ना होगा. साथ ही आपने संस्था के मासिक पत्रक प्रयोग का विमोचन भी इस दौरान किया. संस्था में वर्ल्ड फोटोग्राफी डे की फोटोग्राफी प्रतियोगिता में अव्वल रहे कुलदीप पंवार, विशाल त्रिपाठी, स्वतंत्र शुक्ला, वाजिद उल्लहा काजी व अन्य विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया.

समाज को सच्चाई दिखाएं

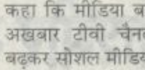

इंदौर रेलवे जनसंपर्क अधिकारी जितेंद्र सिंह भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे आपने विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी, उन्होंने सदैव समाज को सच्चाई दिखाने व ईमानदारी से अपना काम करने की बात कहीं. वरिष्ठ पत्रकार मुकेश माथुर ने कहा कि मीडिया बदल रहा है. अखबार टीवी चैनल से आगे बढ़कर सोशल मीडिया व्हाट्सएप पर काम हो रहा है. प्रिंट मीडिया के लिए संक्रमण काल चल रहा है. अखबार के लिए बहुत सारी चीजें बदल रही है. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भी सनसनीखेज खबर का ट्रेंड तेजी से बड़ा है. वेबदुनिया से उपस्थित स्मृति जोशी ने विद्यार्थियों को पत्रकार बनने के लिए अपनी मन: स्थिति और भाषा परिपक्व करने की बात कही. उन्होंने कहा पत्रकारिता एक ऐसा पेशा है जिसमें मेहनत का फल हमेशा मिलता है इसलिए आप कभी रुको मत और हमेशा निराशा से दूर रहो.

एक्सीलेंस लीडरशिप आवार्ड से किया सम्मानित

कार्यक्रम में आइट्रेनियु डायरेक्टर निशा चौहान ने मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग कमिश्नर पी नरहरि व पत्रकारिता जनसंचार अध्ययनशाला विभागाध्यक्ष डॉ सोनाली नरगुंदे को एक्सीलेंस लीडरशिप आवाज से सम्मानित किया एवं विद्यार्थियों को भविष्य में बेबाक निर्भीक पत्रकार बनने की शुभकामनाएं दी. संचालन डॉक्टर कामना लाड़ द्वारा किया गया. इस दौरान संस्था के डॉक्टर नीलमेघ चतुर्वेदी मनीष काले विनोद सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया गया. विभागाध्यक्ष डॉ सोनाली नरगुंदे ने आभार माना. इस दौरान विभाग के सौरभ मेश्राम नेहा रौनियार वैभव रत्नापारखी एवं अन्य प्राध्यापक मौजूद रहें.

दबग दुनिया, इदौर 31 AUG 2019

समाज को वास्तविकता से जोड़ना ही पत्रकारिता की जिम्मेदारी

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

एक समय में दुनिया में केवल तेल कंपनियां हुआ करती थीं, लेकिन आज आईटी सेक्टर की डाटा माइनिंग कंपनियां इन्हें पछाड़ चुकी हैं। दुनिया में जहां भी ओपिनियन मेकिंग हो रही है उस डेटा में इन्फ्लूएंस होता है। कई देशों में चुनाव में भी इसका प्रयोग किया जाता है, इस डेटा को कंपनियां हमारे सोशल मीडिया अकाउंट से लेती हैं। दुनिया में डेटा माइनिंग कंपनी का तेजी से प्रसार हो रहा है। यह बात शुक्रवार को मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग आयुक्त पी नरहरि ने डीएवीवी की पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में छात्र प्रेरणा कार्यक्रम 'चेंज' के समापन पर विद्यार्थियों को सोशल मीडिया और डाटा माइनिंग कंपनी के बारे में जागरूक करते हुए कही। उन्होंने बताया कि वे सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं से जुड़े हुए हैं, क्योंकि तकनीकी के साथ तालमेल बनाकर ही हम बेहतर जनसंचार कर सकते हैं।

पत्रकारिता बहुआयामी क्षेत्र

पत्रकारिता प्रोफेशन के विषय पर उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि यह रिसर्च और एनालिसिस की फील्ड है, जिसमें हमें हर क्यों की जांच करना होती है। पत्रकारिता एक बहुआयामी क्षेत्र है, जिसमें आउटडोर, पब्लिक, सिटी इवेंट, मैनेजमेंट, फिल्म प्रोडक्शन, डॉक्यूमेंट्री, प्रोफेशनल, जर्नलिस्ट, सोशल मीडिया, प्लानर्स, राइटर्स, ब्लॉगर, यू-ट्यूबर और अन्य जनसंचार समाहित है। वास्तविकता से समाज को जोड़ना ही पत्रकारिता की जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों को वेब मीडिया के माध्यम से खुद का स्टार्टअप करने के लिए प्रेरित किया, साथ ही विभागाध्यक्ष से कहा कि यदि कोई विद्यार्थी इंटर्नशिप के लिए जनसंपर्क विभाग से जुड़कर पत्रकारिता सीखने का इच्छुक है तो उसके लिए भी वे उसकी पूरी सहायता करेंगे।

रुको मत, हमेशा निराशा से दूर रहो

लेखिका स्मृति आदित्य जोशी ने अपनी कविताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करते हुए विद्यार्थियों को पत्रकार बनने के लिए अपनी मनः स्थिति और भाषा परिपक्व करने की बात कही। उन्होंनि कहा पत्रकार आप सभी के भीतर है, बस इसे पॉलिश करना है। पत्रकारिता एक ऐसा पेशा है जिसमें मेहनत का फल हमेशा मिलता है, इसलिए आप कभी रुको मत और हमेशा निराशा से दूर रहो। इंदौर रेलवे जनसंपर्क अधिकारी जितेंद्र कुमार जयंत ने विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी और सदैव समाज को सच्चाई दिखाने की बात कही।

बेहतर जीवन निर्माण हो शिक्षा का उद्देश्य

डीएवीवी कुलपति प्रो. डॉ रेणु जैन ने कहा कि मूल्यों पर आधारित शिक्षा महत्वपूर्ण है और हमारा कर्त्तव्य है कि हम आपको मूल्य आधारित शिक्षा दें। हमारी शिक्षा का उद्देश्य बेहतर जीवन निर्माण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा जीवन व्यर्थ ना हो इसलिए हमें अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करके आगे बढ़ना होगा। कार्यक्रम में आइट्रेनी यू डायरेक्टर निशा चौहान ने पी नरहरि व विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुंदे को एक्सीलेंस लीडरशिप अवॉर्ड से सम्मानित किया, साथ ही संस्था के मासिक पत्रक 'प्रयोग' का विमोचन भी किया। इस अवसर पर वर्ल्ड फोटोग्राफी डे की फोटोग्राफी प्रतियोगिता में अव्वल रहे कुलदीप पंवार, विशाल त्रिपाठी, स्वतंत्र शुक्ला, वाजिद उल्लाहा काजी व अन्य विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

First Prints 31 AUG 2019

• P Narhari addressing students

'Prepare as per changing times'

FP CORRESPONDENT • INDORE

The face of media is changing fast in the present era. After print and electronic media the importance of digital media has grown. The youth need to prepare themselves according to the changing times.

This was said by MP Urban administration and development commissioner P Narhari while addressing newly admitted journalism students at DAVV's School of Journalism and Mass Communication (SJMC).

Narhari further told the students that there were unlimited opportunities in the field of media. He said media had a major role in shaping public opinion. Data mining and content creation were vital avenues in today's times, he added.

"Be experts in your subjects. Don't lose the principles and values of life. Don't conpromsie with circumstances but struggle to reach your destination," Narhari said.

Action for talking on phone

Urban administration and development commissioner P Narhari was going to Taxila campus of DAVV at Khandwa Road when he found the driver of a shuttle bus service near IT Square talking on phone while driving. He took immediate cognizance of the incident and alerted the official concerned of the violation. AICTSL Indore's CEO Sandeep Soni acted immediately. The errant driver Bablu Mandloi was relieved of his duties.

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

31 AUG 2019

‘बदलते दौर के अनुरूप युवा अपने-आपको करें तैयार...’

इंदौर। वर्तमान युग में मीडिया का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बाद डिजिटल और सोशल मीडिया का महत्व बढ़ रहा है। युवाओं को अपने-आप को बदलते दौर के अनुरूप तैयार करना होगा। आज के डिजिटल युग में डेटा का महत्व बढ़ गया है। विश्व में अनेक डेटा कम्पनियां तेल कम्पनियों से आगे निकल गई हैं। यह बात प्रदेश के जनसम्पर्क आयुक्त पी. नरहरि ने जर्नलिज्म के विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए इंदौर में कही।

श्री नरहरि आज यहां देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एण्ड मॉस कम्यूनिकेशन के नवागत विद्यार्थियों को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर श्री नरहरि को आयट्रेनयू टेक्नालॉजी इंदौर द्वारा लीडरशीप अवार्ड प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एण्ड मॉस कम्यूनिकेशन की डायरेक्टर डॉ. सोनाली नरगुन्दे तथा आयट्रेनयू टेक्नालॉजी इंदौर की डायरेक्टर सुश्री नीशा चौहान विशेष रूप से मौजूद थीं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पी. नरहरि ने विद्यार्थियों को भविष्य के लिये शुभकामनाएं दी और कहा कि मीडिया के क्षेत्र में केरियर की अपार संभावनाएं हैं। मीडिया का महत्व दिन-प्रतिदिन बड़ता जा रहा है। मीडिया का स्वरूप बदल रहा है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बाद डिजिटल और सोशल मीडिया का विश्व में तेजी से विस्तार हो रहा है। डिजिटल युग में ड़ेटा का महत्व बड़ गया है। अनेक डेटा कम्पनियां विश्व में तेल कम्पनियों से आगे निकल गई हैं। लोकतंत्र में जनमत तैयार करने में मीडिया की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के लिये डेटा माइनिंग और कन्टेंट क्रिएशन की अहम भूमिका है। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे समय के अनुसार अपने-आप को अपडेट करें। अपने व्यक्तित्व तथा खुबियों का सकारात्मक उपयोग कर सिस्टम में अपनी उपयोगिता साबित करें। जीवन में अपने मित्रों के प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि सहयोगी बनें। अपने मित्रों की गलतियां बतायें, जिससे कि वे उसे सुधार सकें।

सम्मान...

SCHOOL OF JOURNALI
&
MASS COMMUNICATIO

जनसम्पर्क आयुक्त पी. नरहरि ने इंदौर जर्नलिज्म के विद्यार्थियों को संबोधित किया एवं सम्मानित भी किया।